दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

अमन लेखनी

रंग बिरंगी प्यारी प्यारी खेल दिखाती कठपुतलियां.....

बरसा घटा घनघोर....

वर्ष : 10 | अंक : 220 | लखनऊ, 20 जुलाई, शनिवार 2024 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

कांवड़ यात्रा मार्ग को लेकर सीएम योगी का बड़ा फैसला

यूपी में खाने-पीने की दुकानों पर लगानी होगी 'नेमप्लेट'

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कांवर यात्रा मार्ग पर सभी भोजनालयों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने का आदेश दिया। यह निर्णय विपक्षी दलों के विरोध के बाद मुजफ्फरनगर में उत्तर प्रदेश की पुलिस द्वारा अपने आदेशों को रद्द करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें भोजनालयों के लिए मालिकों के नाम प्रदर्शित करना स्वैच्छिक हो गया है। निर्देश के मुताबिक, हर खाने-पीने की दुकान या ठेले वाले को बोर्ड पर मालिक का नाम लिखना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्णय कांवर यात्रियों की पवित्रता बनाए रखने के लिए लिया गया है। अब, हर भोजनालय, चाहे वह रेस्तरां हो, सड़क किनारे ढाबा हो, या यहां तक कि खाने की गाड़ी भी हो, उसे मालिक का नाम प्रदर्शित करना होगा। इससे पहले आज उत्तर प्रदेश के मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने आरोप लगाया कि मुस्लिम, हिंदू नामों की आड़ में तीर्थयात्रियों को मांसाहारी भोजन बेचते हैं। मंत्री ने कहा, वे वैष्णो ढाबा भंडार, शाकुंभरी देवी भोजनालय और शुद्ध भोजनालय जैसे नाम लिखते हैं और मांसाहारी भोजन बेचते हैं।

22 जुलाई से शुरू होने वाली कांवड़ यात्रा को लेकर पूरे उत्तर प्रदेश में तैयारियां चल रही हैं। इस बीच, उत्तराखंड पुलिस ने भी निर्देश जारी कर कांवड़ यात्रा मार्गों पर भोजनालयों को बोर्ड पर मालिकों के नाम लिखने को कहा है। मीडिया से बात करते हुए, हरिद्वार के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, प्रमोद सिंह डोबाल ने कहा, होटल, ढाबा या स्ट्रीट फूड स्टॉल संचालित करने वाले सभी लोगों को अपने प्रतिष्ठान पर मालिक का नाम, क्यूआर कोड और मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने का आदेश दिया गया है। इसका पालन न करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और कांवर मार्ग से भी हटा दिया जाएगा।

सीएम योगी ने प्राकृतिक खेती पर कार्यक्रम को किया संबोधित

खेती में अत्यधिक फर्टिलाइजर का परिणाम है 'कैंसर ट्रेन'

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि देश के एक राज्य में कृषि कार्य में अत्यधिक फर्टिलाइजर के उपयोग का हश्र ये हुआ कि आज वहां से 'कैंसर ट्रेन' चलानी पड़ रही है। उन्होंने कहा कि हरित क्रांति से कृषि उत्पादन जरूर बढ़ा, मगर ये अधूरा सच है। आज फर्टिलाइजर की अधिकता के कारण एक 'धीमा जहर' हमारी धमनियों में घुस रहा है। ये दुष्प्रभाव केवल मनुष्यों पर ही नहीं पड़ा है, बल्कि पशु-पक्षी भी इससे बुरी तरह से प्रभावित हो रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि देश में कई इलाके ऐसे भी थे जहां प्राकृतिक ढंग से भी कृषि उत्पादन अधिक था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें बीज से लेकर बाजार तक कृषि उत्पादों के प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी में जल्द ही एक कृषि विश्वविद्यालय को प्राकृतिक खेती के लिए समर्पित किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को राजधानी लखनऊ में प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत रहे। वहीं केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि हरित क्रांति का लाभ अन्न उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में हुआ है, मगर ये अधूरा सच है।

ना संगठन ना सरकार, सबसे बड़ा होता है जन कल्याण

अखिलेश यादव ने केशव मौर्य को ऐसे दिया जवाब

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में सियासत जबरदस्त तरीके से जारी है। भाजपा में उठापटक की स्थिति है और सपा भगवा पार्टी में फूट का आनंद लेने की कोशिश में है। वही, अखिलेश यादव और केशव प्रसाद मौर्य के बीच वार-पलटवार का दौर देखने को मिल रहा है। आज केशव प्रसाद ने अखिलेश के मानसून ऑफर पर जवाब दिया। इसके बाद एक बार फिर से अखिलेश ने केशव मैर्य पर पलटवार किया है। अखिलेश ने एक्स पोस्ट में कहा कि न संगठन बड़ा होता है, न सरकार। सबसे बड़ा होता है जनता का कल्याण।

सपा नेता ने आगे कहा कि दरअसल संगठन और सरकार तो बस साधन होते हैं, लोकतंत्र में साध्य तो जनसेवा ही होती है। जो साधन की श्रेष्ठता के झगड़े में उलझे हैं, वो सत्ता और पद के भोग के लालच में है, उन्हें जनता की कोई परवाह ही नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपाई सत्तान्मुखी है, सेवान्मुखी नहीं! अखिलेश यादव ने मॉनसून ऑफर दिया था जिसमें कहा गया था कि 100 विधायक लाओ और सरकार बनाओ। अब इसी पर केशव मौर्य ने पलटवार किया है। मौर्य ने इसे मुंगेरीलाल के हसीन सपने बताया। केशव प्रसाद मौर्य ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि मॉनसून ऑफर को 2027 में 47 पर जनता और कार्यकर्ता फिर समेटेंगे।

बिना नाम लिए केशव मौर्य ने सपा को डूबता जहाज बताया। उन्होंने कहा कि एक डूबता जहाज और समाप्त होने वाला दल जिसका वर्तमान और भविष्य खतरे में है। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख सकता है, परंतु पूर्ण नहीं हो सकता। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि 2027 में 2017 दोहरायेंगे, फिर कमल की सरकार बनायेंगे।

मौसम

अधिकतम तापमान 43.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,077/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 75,410.39

निफ्टी 22,957.10

सरकार ने संसद के मानसून सत्र के लिए छह नये विधेयक सूचीबद्ध किये

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, अगले सप्ताह शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र के दौरान आपदा प्रबंधन कानून में संशोधन के लिए एक विधेयक सहित छह नये विधेयक पेश किये जायेंगे। वित्त विधेयक के अलावा, सरकार ने नागरिक उड्डयन क्षेत्र में कारोबार को सुगमबनाने के लिए सक्षम प्रावधान प्रदान करने को लेकर विमान अधिनियम 1934 को प्रतिस्थापित करने के वास्ते भारतीय वायुयान विधेयक 2024 को भी सूचीबद्ध किया है। विधेयकों की सूची बृहस्पतिवार शाम को लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी संसद बुलेटिन में प्रकाशित की गई। मानसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा और 12 अगस्त तक चलेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 जुलाई को केंद्रीय बजट पेश करेंगी। सत्र के दौरान पेश किये जाने और पारित होने के लिए सूचीबद्ध अन्य विधेयकों में स्वतंत्रता-पूर्व कानून की जगह लेने वाला बॉयलर विधेयक, कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक और रबर (संवर्धन और विकास) विधेयक शामिल हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसदीय एजेंडा तय करने वाली कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) का भी गठन किया।

योगी सरकार के आदेश को प्रियंका ने बताया लोकतंत्र पर हमला

जाति और धर्म के आधार पर विभाजन पैदा करना अपराध

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में कांवड़ मार्गों पर भोजनालयों के लिए मालिकों का नाम प्रदर्शित करना अनिवार्य बनाने के निर्देश को लेकर योगी सरकार विपक्ष के निशाने पर आ गई है। विपक्ष के साथ साथ भाजपा के कई सहयोगी भी योगी सरकार के इस फैसले की आलोचना कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भी एक्स पोस्ट को लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा कि हमारा संविधान हर नागरिक को गारंटी देता है कि उसके साथ जाति, धर्म, भाषा या किसी अन्य आधार पर भेदभाव नहीं होगा।

कांग्रेस महासचिव ने आगे लिखा कि उत्तर प्रदेश में ठेलों, खोमचों और दुकानों पर उनके मालिकों के नाम का बोर्ड लगाने का विभाजनकारी आदेश हमारे संविधान, हमारे लोकतंत्र और हमारी साझी विरासत पर हमला है। उन्होंने कहा कि समाज में जाति और धर्म के आधार पर विभाजन पैदा करना संविधान के खिलाफ अपराध है। यह आदेश तुरंत वापस लिया जाना चाहिए और जिन अधिकारियों ने इसे जारी किया है, उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

वहीं, निर्देश जारी होने के बाद, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने न्यायपालिका से इस कदम के पीछे "सरकार की मंशा" की जांच करने के लिए मामले का स्वतः संज्ञान लेने को कहा। अखिलेश ने लिखा और जिसका नाम गुड्डू, मुन्ना, छोटू या फत्ते है, उसके नाम से क्या पता चलेगा? उन्होंने कहा कि माननीय न्यायालय स्वतः संज्ञान ले और ऐसे प्रशासन के पीछे के शासन तक की मंशा की जाँच करवाकर, उचित दंडात्मक कार्रवाई करे। ऐसे आदेश सामाजिक अपराध हैं, जो सौहार्द के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ना चाहते हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सिर्फ राजनीतिक दलों को ही नहीं, सभी सही सोच वाले लोगों और मीडिया को इस राज्य प्रायोजित कट्टरता के खिलाफ खड़ा होना चाहिए। हम भाजपा को देश को अंधेरे युग में वापस धकेलने की अनुमति नहीं दे सकते। वर यात्रा 22 जुलाई से शुरू होने वाली है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 10 लोगों की मौत

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। राज्य के राहत आयुक्त कार्यालय से बृहस्पतिवार रात मिली रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में पिछले 24 घंटे में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 10 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में गोरखपुर के तीन, हरदोई के दो और संभल, रायबरेली, चित्रकूट, कौशांबी और संत कबीर नगर के एक-एक व्यक्ति शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार राज्य के 13 जिले लखीमपुर खीरी, कुशीनगर, शाहजहांपुर, बाराबंकी, सिद्धार्थनगर, बलिया, गोरखपुर, उन्नाव, हरदोई, अयोध्या, बदायूं, महाराजगंज और बस्ती बाढ़ से प्रभावित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक गोरखपुर में राप्ती नदी, सिद्धार्थ नगर में बूढ़ी राप्ती और गोंडा में कुआनो नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चार पुस्तकों की प्रतियां प्राप्त हुईं

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से चार पुस्तकों की पहली प्रतियां प्राप्त हुईं। इनमें से दो में उनके चुनिंदा भाषण हैं जबकि एक में राष्ट्रपति भवन के इतिहास और वास्तुकला का सचित्र वर्णन है। प्रकाशन निदेशालय द्वारा प्रकाशित इन पुस्तकों का औपचारिक विमोचन आज राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केन्द्र में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री चौहान, सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन तथा सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू द्वारा किया गया।

रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए अपनी रणनीति के बारे में देश को बताए सरकार: राहुल गांधी

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश के गोंडा में ट्रेन हादसे पर चिंता व्यक्त करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार को यात्रियों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अपनी रणनीति देश के समक्ष रखनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में बृहस्पतिवार को चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक ट्रेन के आठ डिब्बे मोतीगंज तथा झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच पटरी से उतर गये। इस घटना में दो यात्रियों की मौत हो गयी तथा 34 अन्य घायल हो गये।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, उत्तर प्रदेश के गोंडा में चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस के पटरी से उतरने से कई यात्रियों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है। शोकाकुल परिजनों को अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र से शीघ्र स्वस्थ होने की आशा करता हूं। कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि राहत और बचाव प्रयासों में हर संभव सहायता प्रदान करें। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार हो रही रेल दुर्घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं और सरकार के कुप्रबंधन और उपेक्षा का परिणाम है। उन्होंने कहा, कुछ दिनों पहले हुई लोको पायलट से चर्चा और हाल के ट्रेन हादसों पर रेलवे सुरक्षा कमिशनर की रिपोर्ट भी यही स्पष्ट करती है। राहुल गांधी ने कहा, सरकार तुरंत इसकी पूर्ण जिम्मेदारी लेते हुए यात्रियों की सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए अपनी रणनीति देश को बताए।

बाल विवाह को कोई भी मुस्लिम संगठन नहीं देता बढ़ावा

- असम में मुस्लिम विवाह और तलाक रजिस्ट्रेशन कानून रद्द करने पर आया लखनऊ ईदगाह के इमाम का रिएक्शन

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, असम निरसन विधेयक 2024 के माध्यम से असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और 1935 के नियमों को रद्द करने के असम सरकार के फैसले के बाद लखनऊ ईदगाह इमाम मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने शुक्रवार को कहा कि कोई भी मुस्लिम संगठन बाल विवाह को बढ़ावा नहीं देता है। मौलाना खालिद ने शुक्रवार को एएनआई से बात करते हुए कहा कि मैं स्पष्ट करना चाहूंगा कि कोई भी मुस्लिम संगठन बाल विवाह को बढ़ावा नहीं देता है।

उन्होंने आगे इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा केंद्रीय कानून मौजूद हैं जो बाल विवाह को रोकते हैं। देश में पहले से ही एक कानून मौजूद है जो शादी के लिए महिलाओं के लिए 18 वर्ष और पुरुषों के लिए 21 वर्ष की न्यूनतम आयु अनिवार्य करता है। देश में पहले से ही एक शरीयत आवेदन अधिनियम है, साथ ही एक महिला संरक्षण अधिनियम भी है। ये अधिनियम मौजूद हैं। केंद्रीय स्तर पर, इसलिए, हमें लगता है कि राज्यों को उन्हें खत्म करने का अधिकार नहीं है।

महली ने यह भी उल्लेख किया कि बाल विवाह को बढ़ावा देने के लिए मुसलमानों के खिलाफ आरोप निराधार हैं। मेरा मानना है कि मुसलमान बाल विवाह को बिल्कुल भी बढ़ावा नहीं देते हैं। इसलिए समय-समय पर लगाए जाने वाले ऐसे सभी आरोप निराधार हैं। गुरुवार को हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली असम सरकार ने बाल विवाह को रोकने और विवाह और तलाक पंजीकरण में समानता सुनिश्चित करने के लिए असम निरसन विधेयक 2024 के माध्यम से असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और नियम 1935 को रद्द करने का फैसला किया।

कांग्रेस बैसाखियों पर चलने वाली पार्टी

राज्य को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे : नड्डा

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

नई दिल्ली, ओडिशा भाजपा प्रमुख मनमोहन सामल की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राज्य कार्यकारी समिति की बैठक आज पुरी में शुरू हो गई है। आज बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक बैठक में राज्य के मौजूदा राजनीतिक और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई। राज्य कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी नेताओं को नड्डा ने संबोधित भी किया। अपने संबोधन के शुरूआत में उन्होंने कहा कि मैं ओडिशा भाजपा के एक-एक कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं, साधुवाद देता हूं। क्योंकि आप सभी ने पूरी ताकत लगाकर ओडिशा में कमल खिलाया है।

नड्डा ने कहा कि हम अपने लोगों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज मैं विश्वास दिलाता हूं कि हम अनुसूचित जाति समुदाय और हमारे आदिवासी भाइयों को मुख्यधारा में लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि ओडिशा के हमारे आदिवासी भाइयों-बहनों ने भी भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है। आज हमारे 18 विधायक ट्राइबल समाज से हैं। इसलिए मैं आदिवासी भाइयों-बहनों का धन्यवाद करता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि भाजपा आपकी सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है जिसमें आंतरिक प्रजातंत्र है, भाई-भतीजावाद नहीं है, अपना-पराया नहीं है। बल्कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को लेकर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक राजनीतिक परजीवी बन गई है, जो अपना पेट भरने के लिए दूसरों की ताकत का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खोखले वादों के अलावा किसी और चीज पर भरोसा नहीं करती है, और बैसाखी के अलावा किसी और चीज पर नहीं चलती है।

अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद के बल पर खड़ी नहीं हो सकती है, ये बैसाखियों पर चलने वाली पार्टी है। कांग्रेस पार्टी को संविधान से कोई लेना-देना नहीं है।

हरियाणा के लिए केजरीवाल की गारंटी जारी करेंगी सुनीता केजरीवाल : आप

एजेंसी / अमन लेखनी समाचार

चंडीगढ़। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता हरियाणा के लिए केजरीवाल की गारंटी की शुरूआत करेंगी, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। आप की राज्य इकाई के अध्यक्ष सुशील गुप्ता ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। गुप्ता ने यहां संवाददाताओं को बताया कि सुनीता केजरीवाल शनिवार को पंचकूला में एक बैठक के दौरान केजरीवाल की गारंटी की शुरूआतकरेंगी। उन्होंने कहा, हम भाजपा और कांग्रेस की तरह वादे नहीं करते, गारंटी देते हैं। ये अरविंद केजरीवाल की गारंटी होगी, न कि (नरेन्द्र) मोदी की खोखली गारंटी।

जब उनसे पूछा गया कि क्या इन गारंटियों में यह भी शामिल होगा कि हरियाणा को एसवाईएल (सतलुज यमुना संपर्क नहर) का पानी मिलेगा, तो गुप्ता ने चुटकी लेते हुए कहा, हरियाणा को पानी मिलना चाहिए। हर राज्य को पानी मिलना चाहिए। पानी का वितरण केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री का काम है। आम आदमी पार्टी (आप) ने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह हरियाणा की सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने दावा किया कि लोग बदलाव चाहते हैं और बड़ी उम्मीद से उसकी ओर देख रहे हैं। गुप्ता ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी विधानसभा क्षेत्रवार 45 बैठकें आयोजित करेगी। सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला करते हुए उन्होंने इसे किसान विरोधी करार दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने उनके आंदोलन को कुचलने के लिए लाठी, आंसू गैस आदि सभी हथकंडे अपनाए। गुप्ता ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने कहा, हरियाणा में जंगल राज कायम है। हत्या, फिरौती आम बात हो गई है। सरकार अपराधियों पर लगाम नहीं लगा पा रही है, लेकिन किसानों को उनकी मांगों के समर्थन में दिल्ली जाने से रोकने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। इस बीच, गुप्ता ने कहा कि बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त के चचेरे भाई और दिवंगत सुनील दत्त के भतीजे युवराज दत्त शुक्रवार को यहां आप में शामिल हो गए।

एक दिवसीय लाइव लेप्रोस्कोपिक ऑपरेटिव कार्यशाला का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ । विवेकानन्द पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में एक दिवसीय लाइव लेप्रोस्कोपिक ऑपरेटिव कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका आयोजन यूपी चैप्टर आई.ए.जी.ई. के तत्वावधान में तथा यूपी चैप्टर आई.ए.जी.ई. की अध्यक्ष डॉ नूतन जैन के संरक्षण में किया गया।इस कार्यशाला में बेसिक से लेकर एडवांस केसों की 4 लेप्रोस्कोपिक सर्जरी का संचालन नलबाड़ी, असम के प्रख्यात लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. यशोधन डेका और इटली और फ्रांस से प्रशिक्षित प्रसिद्ध लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. सोनू सिंह द्वारा किया गया, जो विवेकानंद पॉलीक्लिनिक और इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में वरिष्ठ सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। आयोजन टीम में विभागाध्यक्ष डॉ. वैशाली जैन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की वरिष्ठ सलाहकार डॉ. नीलम और डॉ. सोनिका गौर शामिल थी। संस्थान के रेडियोलॉजी विभाग की सलाहकार डॉ. वैशाली उपाध्याय द्वारा एंडोमेट्रियोसिस में एमआरआई पर एक वार्ता प्रस्तुत की गई। लाइव वर्कशाप का कार्यक्रम प्रातः 9 बजे शुरू हो गया था लेकिन उसका औपचारिक शुभारम्भ अपराह्न 12:30 बजे विवेकानन्द पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के सेमिनार हॉल (प्रथम तल) में संस्थान के सचिव स्वामी मुक्तिनाथानंद, संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक कर्नल प्रो. (डॉ.) पी.एस. सिंह और नलबाड़ी, असम से आए लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. यशोधन डेका, डा0 नूतन जैन, चेयरपरसन ऑफ यू.पी. चैप्टर, आई.ए.जी.ई., मोडिरेटरर्स डा0 अमित टण्डन, डा0 रेनू सिंह गहलोत, डा0 अर्चना कनोडिया तथा अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा पुष्पांजलि एवं दीप प्रज्ज्वलन व वैदिक मंत्रोच्चार संस्थान के नर्सिंग स्टाफ द्वारा हुआ।कार्यशाला में पूरे भारत से 100 से अधिक प्रतिभागियों के साथ-साथ विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के प्रतिष्ठित संकाय एवं संस्थान के डाक्टर व मेडिकल छात्र भी उपस्थित थे। तत्पश्चात संस्थान के सचिव द्वारा आये हुये विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेट किये गये। कार्यशाला में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की नवीनतम स्क्रीनिंग दिखाई गई तथा ओ.टी. से लाइव रिले के माध्यम से कुल 4 विभिन्न प्रकार के केशो का प्रदर्शन किया गया। संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक कर्नल प्रो. (डॉ.) पी.एस. सिंह ने कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा कार्यशाला में भाग लेने वाले विशिष्ट संचालकों एवं प्रतिभागी चिकित्सकों का परिचयात्मक संबोधन प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. सोनू सिंह ने किया। संस्थान के सचिव स्वामी मुक्तिनाथानन्द महाराज ने अपने स्वागतीय भाषण में कहा कि हमारा अस्पताल अपने मरीजों को सस्ती व गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा के रूप में ऐसी उन्नत सुविधा कम कीमत पर प्रदान कर रहा है। कार्यशाला की संयोजक विवेकानन्द पॉलीक्लिनिक एवं आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ के स्त्री एवं प्रसूति विभाग, की विभागाध्यक्ष डा0 वैशाजी जैन, स्त्री एवं डा0 सोनू सिंह ने कहा कि इस तरह के अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से की जा रही सर्जरीयों के वर्कशाप से लखनऊ एवं आस पास एवं प्रदेश की स्त्री एवं प्रसूति डाक्टरों को कुछ नया सीखने व करने का अवसर मिलता है जिससे वह अपने आस पास इस तरह बिमरी से जूझ रही रोगियों का इलाज करने में और अधिक सक्षम हो जायेगी। उन्होंने इस सजीव शल्य कार्यशाला का आयोजन करवाने के लिए संस्थान के सचिव स्वामी मुक्तिनाथानन्द को धन्यवाद दिया।स्त्री एवं प्रसूति विभाग की विभागाध्यक्ष डा0 वैशाली जै ? ने कार्यशाला में उपस्थित सभी लोगो को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ।बिजनौर पुलिस ने बीते दिनों युवती को शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बिजनौर थाना प्रभारी अरविंद कुमार राणा के मुताबिक गोसाईगंज इलाके में रहने वाली एक युवती ने बीती 17 जुलाई को बिजनौर के परवर पश्चिम गांव में रहने वाले सुजीत कुमार गौतम के खिलाफ शादी का झांसा देकर करीब 4 साल तक बराबर दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश कर रही थी। तभी शुक्रवार को मुखबिर से उसे पता चला कि आरोपी सुजीत कुमार गौतम बिजनौर स्थित तहसील अंडरपास के पास मौजूद है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

नकली नोट छापने वाले दो तस्कर गिरफ्तार, 500 के नोट की 50 नकली गड्डी बरामद

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। नकली नोट छापने वाले दो तस्करों को एसटीएफ की टीम ने शनिवार रात गिरफ्तार किया है। दोनों के पास से 500 के नकली नोटों की 50 गड्डियां बरामद हुई हैं। असली नोटों की गड्डियां लेकर दोगुणा नकली नोट देते थे। तस्कर नोटों की गड्डियां लेकर राजस्थान से कोलकाता जा रहे थे। डिप्टी एसपी एसटीएफ दीपक कुमार सिंह के मुताबिक गिरफ्तार तस्करों में राजस्थान के बीकानेर जिले के जसरा नोख नया गांव का रहने वाला राम स्वरूप विश्वनोई और विष्णु शर्मा है। दोनों को मुखबिर की सूचना पर गुडंबा में स्कार्पियो क्लब के पास से गिरफ्तार किया गया है।

ऐसे देते थे लोगों को धोखा

पूछताछ में पता चला कि यह लोग सफेद चिकने पेपर पर कलर प्रिंटर के माध्यम से 500 रुपए के नोट तैयार करते हैं। उसकी गड्डी बनाते थे। ऊपर और नीचे असली नोट लगाते थे। बाकी गड्डी में सफेद पेपर नोटों के आकार का रहता था। सफेद पेपर पर नोट की तरह ही बार्डर बनाते थे, जिससे ऐसा लगता है कि अंदर भी नोट हैं। लोगों को विश्वास में लेने के लिए नोटों की गड्डियां बनाने के बाद उन पर बैंकों की फर्जी स्कैन की हुई स्पिल लगाते थे। उसके बाद बैंक के जैसे ही उस पर दिनांक और मुहर लगाकर बैंडल तैयार कर पन्नी से लेमिनेट कर देते थे। जब क्लाइंट इनके पास नोट लेने के लिए आता था तो उससे आधी कीमत के असली लेकर नकदी देते और निकल जाते थे।

सरगना दिल्ली में, लालच देकर फंसाते थे ग्राहक

इंस्पेक्टर हेमंत भूषण के मुताबिक गिरोह का सरगना दिल्ली का है। उसके बारे में जानकारी जुटाई जाती थी। वह अपने सदस्यों को नकली नोट लेकर पार्टी के पास भेजता था। सदस्यों से एक निश्चित स्थान बता वहां इंतजार करने को कहता था। इसके बाद जरूरतमंदों को भेजता था। सदस्यों के पास जरूरतमंद पार्टी का नंबर नहीं होता था। पार्टी खुद उन्हें फोन करके उस स्थान पर जाती थी।

55 वर्ष पूर्व 19 जुलाई को हुआ था 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आज से 55 वर्ष पूर्व 19 जुलाई 1969 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी द्वारा देश की 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण करने का अभूतपूर्व निर्णय लिया गया।रीजनल ऑफिस यूनियन बैंक ऑफ इंडिया विभूति खंड गोमती नगर लखनऊ में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, सभी के लिए बैंकिंग सेवाएँ उपलब्ध करवाना व पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाएँ पहुंचाना था।6 अन्य बैंकों को 1980 में राष्ट्रीयकृत किया गया। आज देश में राष्ट्रीयकरण के मूलभूत लाभ यथा वृहत औद्योगीकरण, नवोन्मेष, रोजगार में बढ़ोत्तरी आदि देखने को मिल रहे हैं जिसमें देश एवं आम जन दोनों ही प्रगति कर रहे हैं।

राष्ट्रीयकृत बैंकों की दशकों पुरानी यात्रा अभूतपूर्व दक्षता, समेकन एवं आमजन के प्रति समर्पित सेवा का प्रमाण है। राष्ट्रीयकृत बैंक विभिन्न झंझाबतों के बाद भी यदि मजबूती से खड़े हैं तो यह उनकी कार्यक्षमता एवं समावेशी कार्यप्रणाली के कारण ही है। आरंभ में बैंकों के सम्मुख राष्ट्र निर्माण का उद्देश्य था जिसमें राष्ट्रीयकरण ने अहम भूमिका निभायी।वर्तमान में राष्ट्रीयकृत बैंकों के सामने नवोन्मेष एवं विकास के उद्देश्य हैं। राष्ट्रीयकृत बैंक अपनी विभिन्न योजनाओं यथा मुद्रा, स्टैंड अप के द्वारा नवोन्मेष के क्षेत्र में नए कीर्तिमान खड़े कर रहे हैं। 19 जुलाई समस्त देशवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है यह एक सामूहिक उत्सव का दिन है जो ना सिर्फ देश के बल्कि प्रत्येक आमजन के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आया। बैंकों के समामेलन के कारण इस प्रगतिपथ पर कुछ रोक लगी जिससे कि बाजार में सहभागिता सरकारी बैंकों की 66 प्रतिशत से घटकर 59 प्रतिशत रह गयी। अभी भी देश में 6 लाख में से 5 लाख गाँवों में बैंकिंग सेवा उपलब्ध नहीं है अभी भी राष्ट्रीयकृत बैंकों कि देश को महती आवश्यकता है। कृषि ऋण देने में भी राष्ट्रीयकृत बैंक सबसे आगे हैं, समस्त सरकारी योजनाएँ फिर चाहे वो ऋण की हो या बचत की उनको पूर्ण करने का भी कार्य राष्ट्रीयकृत बैंकों ने ही किया है।

आज बैंकों के इस गरिमामई 55 वें राष्ट्रीयकरण दिवस पर हम देश के सम्मुख यह उद्बोधन करते हैं कि हम बैंकों के निजीकरन एवं समामेलन के विरुद्ध एकजुट होकर खड़े रहेंगे जिससे कि सबसे गरीब, सबसे दूर, सबसे दुर्गम तक भी बैंकिंग सेवाएँ पहुंच सकें। आज हम राष्ट्रीयकरण की मूल भावना को आत्मसात करने का भी प्राण करते हैं जो कि राष्ट्र निर्माण से लेकर आमजन उन्नति तक है।हम एक ऐसी जाज्वलमान ज्योति बनेंगे जिससे कि आमजन को नवोन्मेष की प्रेरणा मिले, राष्ट्र की उन्नति हो, प्रत्येक व्यक्ति का विकास हो, प्रत्येक व्यक्ति को अवसर मिलें। इस अवसर पर राम नाथ शुक्ला, हरी गुप्ता, मनीष कान्त लक्ष्मण सिंह मौजूद रहे।

युवती को अकेला पाकर जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा पुलिस ने बीते दिनों एक युवती को खेतों पर अकेला पाकर उसके साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देकर जबरन दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बंथरा थाना प्रभारी हेमंत राघव के मुताबिक इलाके के ही 20 वर्षीय युवती ने बीती 17 जुलाई को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जब वह अपने खेतों पर थी। तभी उसे अकेला पाकर इलाके के ही भटगांव में रहने वाला अंकुल रावत उसे झाड़ियां में खींच ले गया। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ गाली गलौज, मारपीट करने के साथ ही जान से मारने की धमकी दी और उसके साथ जबरन दुष्कर्म की घटना अंजाम दे डाली। पुलिस पीड़ित युवती की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश कर ही रही थी। तभी गुरुवार दोपहर मुखबिर से सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने भटगांव स्थित राधा स्वामी सत्संग के पास से अंकुल रावत को धर दबोचा। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया है।

फल की दो दुकानों में लगी आग, जलकर खाक

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। आलमबाग कोतवाली इलाके स्थित टेढ़ी पुलिया आदर्श नगर तिराहे पर रखे ट्रांसफार्मर पर लगी दो फल की दुकानों में गुरूवार देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई देखते देखते आग ने विक्राल रूप धारण कर लिया। वही आग लगने की जानकारी होने पर आलमबाग फायर ब्रिगेड से पहुंची दो दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया लेकिन तबतक फल की दुकानों में रखा फल जलकर खाक हो गया। आलमबाग से प्रभारी अग्निशमन अधिकारी धर्मपाल सिंह ने फल दुकान मालिक चंद्र प्रकाश स्व छबिलाल मौके पर उपस्थित थे इस आग लगने से कोई भी जनहानि नही हुई। ट्रांसफार्मर में शार्ट शर्किट या कोई अन्य आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं है। वही दुकानदार चंद्र प्रकाश स्व छबिलाल ने बताया कि वह मूल रूप से संतकबीरनगर के रहने वाले है और आलमबाग कोतवाली इलाके स्थित छोटा बरहा में पत्नी नरजी और तीन बच्चों अरूण, मनोज व बेटी अनीता के साथ रहते हैं और फल का ठेला लगा व्यवसाय करते हैं। वही मूल रूप से आजमगढ़ निवासी होरी लाल ने बताया कि वह अपनी पत्नी किरन व बेटे गोपी और ममता के साथ कृष्णा नगर इलाके स्थित अलीनगर सुनहरा में रहता है और फल का ठेला लगा कारोबार करता है।वही दोनों पीडितों का आरोप है कि उनकी दुकान में ट्रांसफार्मर के शार्ट शर्किट से आग नहीं लगी है बल्कि रंजिशन आग लगाई गई है और आग लगने से दुकान पर रखा लाखों रुपये का फल जलकर खाक हो गया। जिसकी लिखित तहरीर उन्होंने स्थानीय थाने में पुलिस से की है। वही आलमबाग कोतवाली प्रभारी शिव शंकर महादेवन ने बताया कि पीड़ित फल विक्रेताओं की शिकायत पर तहरीर लेकर मामले की जांच की जा रही है।

कांवड़ मार्ग पर खानपान की दुकानों के 'नेम प्लेट' का विरोध जारी

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और सपा के पूर्व सांसद ने साधा निशाना

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। देशभर में विरोध के बावजूद कांवड़ मार्ग पर खानपान की दुकानों पर मालिक और वहां काम करने वालों का नाम लिखने के फैसले पर सहारनपुर परिक्षेत्र के डीआइजी अजय साहनी अडिग हैं। उनका कहना है कि परिक्षेत्र के तीनों जिले सहारनपुर, शामली और मुजफ्फरनगर के कप्तान को निर्देशित किया गया है कि वे कांवड़ मार्ग पर खानपान की दुकानों पर मालिकों का नाम लिखवाना सुनिश्चित करें। वहीं लखनऊ में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह बिल्कुल अव्यवहारिक है। वे समाज में भाईचारे की भावना को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं, लोगों के बीच दूरियां पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। इसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। वहीं समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने कहा कि मुसलमानों का बहिष्कार करने और हिंदुओं की दुकानों पर जाने का संदेश दिया जा रहा है। यह सांप्रदायिक सोच कब तक चलेगी? यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। दो समुदायों के बीच दूरी पैदा की जा रही है। इस तरह के आदेश रद्द किए जाने चाहिए। बता दें कि पिछले दिनों मुजफ्फरनगर के एसएसपी अभिषेक सिंह ने कांवड़ रूट के खानापान की दुकानों, ढाबों व ठेलों के मालिकों को अपना नाम लिखने के लिए निर्देशित किया था। इस व्यवस्था का पालन भी होने लगा लेकिन बुधवार को इंटरनेट मीडिया में यह प्रकरण चर्चा में आ गया, जहां ओवैसी ने इसमें दखल दिया और मुजफ्फरनगर पुलिस की तुलना हिटलर के नाजियों से की।

लखनऊ में उत्तर भारत का पहला ट्रांसजेंडर क्लीनिक

छह विभागों के विशेषज्ञ मिलकर करेंगे इलाज

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। संजय गांधी पीजीआइ में शुक्रवार को उत्तर भारत के पहले ट्रांसजेंडर क्लीनिक की शुरूआत हुई। क्लीनिक के नोडल अधिकारी एवं एंडोक्राइन विभाग के प्रमुख प्रो. सुशील गुप्ता ने बताया कि ट्रांसजेंडर समुदाय को समाज में स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने में चुनौती का सामना करना पड़ता है। ऐसे में ट्रांस स्वास्थ्य क्लीनिक एक एकीकृत सेवा वितरण केंद्र (इंटीगेटेड सर्विस डिलिवरी सेंटर) के रूप में ट्रांस जेंडर (किन्नर) की स्वास्थ्य और गैर-स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करेगा। प्रो. गुप्ता के मुताबिक, क्लीनिक में मल्टी स्पेशियलिटी सेवाएं और व्यापक देखभाल की सुविधा होगी। इसमें हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी, रिडक्शन मैमोप्लास्टी, जननांग पुनर्निर्माण सर्जरी, परामर्श, मनोरोग सहायता और त्वचा रोग की सेवाएं मिलेंगी। इसके लिए छह विभागों के विशेषज्ञों की मदद ली जाएगी। उन्होंने बताया कि क्लीनिक में प्लास्टिक सर्जरी और बर्न विभाग के प्रमुख प्रो. राजीव अग्रवाल, यूरोलाजी और रीनल ट्रांसप्लांटेशन विभाग के प्रमुख प्रो. एमएस अंसारी, मनोरोग विभाग से डा. रोमिल सैनी, त्वचा और यौन रोग विभाग से डा. अजित कुमार और माइक्रोबायोलाजी विभाग की प्रमुख प्रो. रुंगमेई एसके मराक जिम्मेदारी निभाएंगी।

छह बेड का एक वार्ड भी तैयार

ओपीडी प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। इसके अलावा छह बेड का एक वार्ड भी तैयार किया गया है। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं सलाहकार, ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड यूपी देविका देवेंद्र एस. मंगलामुखी ने कहा, समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके कल्याण को सुनिश्चित कराया जा रहा है। इस मौके पर मौजूद संस्थान के निदेशक प्रोफेसर आरके धीमान ने कहा कि इस इकाई की स्थापना से समुदाय के सभी सदस्यों को गरिमा और सम्मान के साथ स्वास्थ्य सेवाएं मिलेगी। ट्रांसजेंडर के देखभाल के लिए कई तरह के काम करने की जरूरत है, जो यहां पूरी होगी। इस मौके पर सीएमएस प्रो. संजय धीराज, एमएस प्रो. प्रीति डी., एंडोक्राइनोलाजिस्ट प्रो. सुभाष यादव भी मौजूद रहे। भारत में लगभग पांच लाख ट्रांसजेंडर हैं।

स्वामी प्रसाद मौर्य और बेटी संघमित्रा के खिलाफ कुर्की का नोटिस जारी

मजिस्ट्रेट कोर्ट ने जारी किया आदेश

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पत्रकार दीपक कुमार स्वर्णकार और पूर्व सांसद संघमित्रा मौर्या से संबंधित प्रकरण में मजिस्ट्रेट ने सख्त रुख अख्तियार किया है। कोर्ट ने पूर्व सांसद संघमित्रा और उनके पिता व शोषित समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 82 का नोटिस जारी करते हुए कुर्की करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में गैर जमानती वारंट जारी किया था। इसके बाद भी कोई आरोपी न्यायालय के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ। इस संबंध में वादी दीपक कुमार स्वर्णकार ने न्यायालय के समक्ष परिवाद दर्ज कराया था। वादी दीपक कुमार के मुताबिक, तीन जनवरी 2019 को उसका विवाह संघमित्रा मौर्य से हुआ था। शादी के समय अभियुक्ता व उसके पिता ने बताया था कि उसका अपने पहले पति से तलाक हो चुका था, जबकि बाद में पता चला कि अभियुक्ता का तलाक 2021 में हुआ था। वादी ने अभियुक्ता से विधि विधान से शादी करने को कहा तो विपक्षियों ने लखनऊ व कुशीनगर में कई मौकों पर उसके ऊपर हमला करवा दिया। इस संबंध में अभियुक्त गणों को कोर्ट में तलब किया गया था।

ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज से पूरी दुनिया चिंतित, मानव जाति के अस्तित्व पर खतरा: शिवराज सिंह

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए केमिकल और फर्टिलाइजर के प्रयोग का परिणाम हम सबके सामने है। आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज को लेकर चिंतित है, लेकिन इसके जिम्मेदार हम खुद हैं। इससे ये सिद्ध हो गया है कि आने वाली पीढ़ी के लिए ये धरती रहने लायक नहीं रहेगी।

ऐसे में हमें समय रहते संभलना होगा। इसके लिए हमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। इसे ध्यान में रखते हुए भारत सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए सब्सिडी देने पर विचार कर रही है। ये बातें शुक्रवार को प्राकृतिक खेती पर आधारित भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कही।

ज्यादा उत्पादन के लिए केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि भारत सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया, को आत्मसात कर आगे बढ़ने वाला देश है। भारत की यह भावना प्राचीन खेती में भी निहित थी। उस समय खेती में केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल नहीं होता था। ऐसे में धरती उपजाऊ होती थी और अन्न पोषक पैदा होते थे। वहीं धीरे-धीरे धरती पर दबाव बढ़ता गया और उत्पादन बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा केमिकल फर्टिलाइजर का इस्तेमाल होने लगा।

साथ ही नई-नई वैराइटी के लिए ऐसे बीज का प्रयोग होने लगा जिसमें ज्यादा खाद, पानी और कीटनाशक की जरूरत पड़ने लगी। इससे उत्पादन तो बढ़ा, लेकिन बीमारियां भी बढ़ती गयीं। इसके लिए कैंसर एक्सप्रेस जैसी ट्रेनें चलानी पड़ीं। आज हम सभी अपनी सेहत को लेकर काफी गंभीर हैं। यही वजह है कि लोग बिना केमिकल फर्टिलाइजर के कृषि उत्पाद को खरीदने के लिए दोगुने दाम देने को तैयार हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन में कमी आएगी, यह लोगों का भ्रम है।

प्राकृतिक खेती से न तो उत्पादन कम होगा और न ही भंडारण में कमी आएगी। उन्होंने ऐसे किसानों को बधाई दी जो बिना केमिकल फर्टिलाइजर के अनाज का उत्पादन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कीटनाशक दवाइयों के इस्तेमाल से धरती की उर्वरक क्षमता प्रभावित होती है। इससे कीट मित्र जमीन से खत्म होते जा रहे हैं।

गाली गलौज, मारपीट और अभद्र टिप्पणी करने की रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर के हनुमान पुरी, गली नंबर -1, अमौसी रोड निवासी यशिका शर्मा ने धर्मेंद्र और सूर्य सिंह नामक युवकों के खिलाफ गाली गलौज, मारपीट और अभद्र टिप्पणी करने की सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। यशिका का कहना है कि गुरुवार रात जब वह अपने ऑफिस से वापस घर लौट रही थी, तभी गौरी- अमौसी रोड पर कार में बैठकर गाना सुन रहे धर्मेंद्र और सूर्य सिंह ने कार के पास से उसके गुजरते ही पीड़िता से अभद्र टिप्पणी की। आरोप है कि इस दौरान दोनों आरोपियों ने उसे रोकने की कोशिश की। साथ ही गाली गलौज करते हुए उसे मारा पीटा। फिलहाल सरोजनीनगर पुलिस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

संक्षेप

चेकिंग के दौरान पुलिस ने पकड़ा अपराधी

शुक्लागंज, उन्नाव। कोतवाली प्रभारी रामफल प्रजापति ने बताया कि शनिवार को क्राइम इंस्पेक्टर राम प्रकाश एसपी के निर्देश पर संदिग्धों और वाहनों की चेकिंग कर रहे थे, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि हत्या के प्रयास का वांछित शारदा नगर निवासी बब्लू राजधानी मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर के पास घूम रहा है। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को गिरफ्तार किया। जहां उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही कर कोर्ट भेजा गया है। इंस्पेक्टर ने बताया कि 10 अप्रैल को शारदा नगर निवासी रवि व शिवा ने पानी डालने का विरोध किया। जिस पर पड़ोस में रहने वाले रोहित रावत ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर दोनों को मारा पीटा था। जिससे शिवा गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल की तहरीर पर पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया था। उसी मामले में आरोपी वांछित चल रहा था।

धान की फसल जोतने के आरोप में मुकदमा दर्ज

बीघापुर, उन्नाव। धान की फसल को दबंगो के द्वारा जोत दिए जाने के कारण पीड़िता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संघिता के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है बीघापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम परवेजपुर मजरे रानीपुर निवासिनी निर्मला देवी पत्नी अलोपी प्रसाद वर्मा ने गाटा नंबर 2670 व 2682 अपने गांव की भूमि बैनामे के आधार पर 17 मई 2024 को क्रय किया है क्रय के बाद पीड़िता ने तहरीर में कहा कि मैं इस भूमि पर धान की फसल लगवा दिया जिसको गांव के पड़ोसी कोरट गंज निवासी राजकिशोर शिव किशोर हर किशोर मनीष पुत्र गण बिंदादीन सरहंगी व दबंगई के बदौलत धान की फसल जुतवा दिया वमना करने पर अभद्र भाषा व गाली गलौज जान से मार देने की धमकी दी पीड़िता ने थाने में तहरीर दी तहरीर के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया है।

कोतवाली परिसर में युवक ने किया हाई वोल्टेज ड्रामा, दर्ज हुआ मुकदमा

शुक्लागंज, उन्नाव। श्री नगर निवासी रोहित तिवारी 15 जून की रात घर वापस जा रहा था, तभी श्री नगर निवासी रामजी ने अपने साथियों के साथ उसे रोक लिया था। जहां उससे मारपीट की थी। उसी मामले को लेकर रोहित की ओर से आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचक राजेश मिश्रा ने बताया कि गुरुवार देर रात वह थाने में आया और कहा कि हमारे अनुसार धाराएं बढ़ाकर आरोपियों के नाम बढ़ाओ नहीं तो पेट्रोल डाल लेंगे। बाइक से पेट्रोल डालकर अपने ऊपर डाल लिया। जिस पर पुलिस कर्मी दौड़े और उसे पकड़ लिया। जिसके बाद पुलिस ने रोहित के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद कार्यवाही करते हुये उसे जेल भेजा है।

किसान दिवस का किया गया आयोजन

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। देश के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया ने बैंक के राष्ट्रीय करण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को बैंक के कार्यपालक निदेशक राजीव मिश्रा की गौरवमयी उपस्थिति में किसान दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन उन्नाव जिले में सम्पन्न हुआ। किसान दिवस कार्यक्रम में जिलाधिकारी गौरांग राठी, मुख्य विकास अधिकारी प्रेमप्रकाश मीणा, फील्ड महाप्रबंधक लखनऊ श्री अमरेन्द्र कुमार, आंचलिक प्रबन्धक कानपुर श्री रणवीर सिंह ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को कृषि ऋण एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान कर महिलाओं को आत्म निर्भर बनाकर उनको रोजगार उन्मुख अवसर प्रदान करना है। उन्नाव के किसान दिवस में कार्यकारी निदेशक राजीव मिश्रा, व जिलाधिकारी ने बीओआई के लाभार्थी किसानों एवं स्वयं सहायता समूहों को मिलाकर कुल रु. 22.86 करोड रुपए के ऋण मंजूरी पत्र प्रदान किए जिसमें इसमें 286 आवेदन क्रमशः राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत (एसएचजी) ऋण, कृषि वाहन ऋण, फूड-एग्रो, मुर्गी पालन, बकरी पालन, पशु-पालन, हार्वेस्टर, केसीसी, पीएमएफएमई और एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) योजना के अन्तर्गत प्रदत्त ऋण खाते शामिल हैं।उल्लेखनीय है कि बैंक ऑफ इंडिया प्रति वर्ष जुलाई माह को किसान माह के रूप में मनाता है एवं बैंक द्वारा समाज के समस्त वर्गों के साथ साथ गरीब तबके /वंचित/ दलित/महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान हेतु ऋण प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया के विभिन्न उत्पादों की जानकारी प्रदान करने हेतु कई स्टॉल भी लगाए गए। स्टॉल पर किसानों को बैंक की कृषि से संबंधित सभी ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जिलाधिकारी महोदय ने बैंक ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना की एवं आम जनमानस को बैंक की योजनाओं से जोड़कर उन्हें लाभान्वित करने पर जोर दिया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने बैंक ऑफ इंडिया द्वारा स्वयं सहायता समूह को क्रेडिट लिंकेज के माध्यम से ऋण प्रदान करने की प्रशंसा की एवं जनपद उन्नाव में ऐसे पात्र सभी समूहों को क्रेडिट लिंकेज से जोड़कर रोजगार प्रदान करने हेतु बोल दिया। कार्यक्रम में महाप्रबन्धक ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को ऋण देने हेतु कटिबद्ध है एवं सभी को बैंक ऑफ इंडिया की योजनाओं से संतृप्त करने का लक्ष्य रखा गया है। राजीव मिश्रा ने कृषि विकास की गति एवं दिशा में तीव्रता तथा सघनता लाने की नितांत जरूरत पर बल दिया और कहा कि आज हर क्षेत्र में तकनीकी का युग है अतः बैंक चाहता है कि किसानों को भी तकनीक का लाभ मिले, उनका कृषि उत्पादन बढ़े, किसानों की फसल को बाजार तक ले जाने की व्यवस्था हो सके। उसके लिए बैंक कृषि वाहन ऋण/ट्रेक्टर ऋण इत्यादि ऋण प्रदान करा रहा है जिससे किसानों को उनकी मेहनत का अधिकाधिक लाभ मिल सके।बैंक ऑफ इंडिया के स्टॉल पर जरूरतमंद किसानों को कृषि संबंधित बैंक की योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ जरूरतमंद किसानों को त्वरित ऋण संबंधी प्रस्ताव भी स्वीकृत किए गए। बैंक ऑफ इंडिया आंचलिक प्रबंधक रणवीर सिंह ने कहां कि किसानों से बैंक ऑफ इंडिया का हमेशा से ही मधुर संबंध रहा है। इसी ग्राहक संबंध को और प्रगाढ़ बनाने हेतु बैंक में इस तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। इस आउट रीच कार्यक्रम का लाभ अधिक से अधिक किसानों को मिला है। किसानों को कृषि योजनाओं के साथ-साथ अन्य आकर्षक योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस कार्यक्रम में बैंक द्वारा संचालित किए जा रहे विभिन्न सरकारी जमा एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की भी जानकारी दी गई और नए बैंक खाते खोले गए। आज के इस कार्यक्रम में 500 छायादार एवं फलदार पौधों का वितरण राजीव मिश्रा, कार्यकारी निदेशक द्वारा कार्यक्रम में सभी किसानो का किया गया। कार्यक्रम के समापन पर अग्रणी जिला प्रबब्धक सुनील वर्मा ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी, उप निदेशक कृषि, उपयुक्त - स्वतःरोजगार ,जिला कृषि अधिकारी, राईजुल हसन, अशोक कुमार (डीएमएम), एसकेवीके इंचार्ज अनूप गुप्ता, आंचलिक कृषि विभाग से राम मोहन, विपणन मुख्य प्रबंधक पंकज सिंह, विपणन प्रबन्धक हिमांशु तथा अग्रणी जिला कार्यालय से राजेंद्र प्रसाद मिश्रा उपस्थित रहे।

तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर अधिवक्ताओं ने उप जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन- न्यायालय में सही समय पर मुकदमा निस्तारण न होने के कारण अधिवक्तागणों ने संघ की बैठक कर 10 सूत्रीय मांगों को लेकर उप जिलाधिकारी बीघापुर क्षितिज द्विवेदी को ज्ञापन सौंपा व शीघ्र निस्तारण करने की मांग की। तहसील बीघापुर मुख्यालय पाटन में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर शुक्रवार को अधिवक्तागण न्यायिक कार्य से विरत रहते हुए बैठक कर 10 सूत्रीय मांगों पर विचार रखते हुए कहा धारा 38(2)उत्तर प्रदेश राजस्व निर्णय संहिता के अंतर्गत दस्तावेजों में त्रुटि नाम सही कराए जाने के लिए बाद दायर है लेकिन उन वादों को ऑनलाइन दर्ज नहीं किए गए है।उनमें लेखपालो द्वारा कोई आख्या नहीं लगाने के कारण सालों से वाद ऐसे ही पड़े है।वहीं धारा 24 व धारा 116 में लेखपालों की रिपोर्ट नहीं आने के कारण वाद सालों से लंबित पड़े है। 6 माह पूर्व न्यायालय के द्वारा पुराने वादों खारिज कर दिया गया था लेकिन उन फाइलों का पुनः नहीं सुना जा रहा है जिसके कारण अधिकवक्ताओ ने नाराजगी व्यक्त की है। तहसीलदार महोदय के यहां बैनामा वसीयत व वरासत के अविवादित दर्जनों मुकदमें लेखपाल की आख्या के न आने से लंबित हैं।कुछ में रिपोर्ट आने के बावजूद भी तहसीलदार के यहां उन वादों का निस्तारण नहीं किया जा रहा है जिसके कारण आम जनमानस को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है इन्हें मांगों को लेकर बीघापुर बार एसोसिएशन संघ के अध्यक्ष कृष्ण पाल सिंह मंत्री सुरेश कुमार पटेल अपने पदाधिकारी के साथ व सदस्यों के साथ उप जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा कर शीघ्र निस्तारण करने के लिए कहो

ठेला दुकान लगाने को लेकर दो पक्षों में हुई मारपीट

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के बड़े चौराहा के पास एक साड़ी की दुकान के बाहर आम का ठेला लगाने को लेकर दुकान मालिक और ठेला दुकानदार में झगड़ा हो गया। दोनों पक्ष में जमकर मारपीट हो गई। ठेला

दुकानदार का आरोप है उसे सरिया से जमकर पीटा गया है। घायल अवस्था में कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। मामले का वीडियो भी सामने आया है। कोतवाली क्षेत्र के शाहगंज मोहल्ले के रहने वाले अजय कुमार गुप्ता पुत्र कृष्ण कुमार गुप्ता की धवन रोड के पास साड़ी सेंटर की दुकान है। शुक्रवार को कोतवाली क्षेत्र के रहने वाले लखपति, अर्जुन पुत्रगण स्व. हरि प्रसाद आम का ठेला दुकान के बाहर लगने लगे। इस बात का दुकान मालिक अजय गुप्ता ने विरोध किया तो दोनों पक्षों में गाली गलौज के बाद मारपीट शुरू हो गई।बीच चौराहे पर मारपीट होने से आसपास की दुकानदारों की भीड़ इकट्ठी हो गई। ठेला लगाने वाले लखपति का आरोप है कि दुकान मालिक ने उसे सरिया से पीट दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के दौरान किसी ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उधर पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर मामले की लिखित और कार्रवाई की मांग की। कोतवाली पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण कराकर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। कोतवाली प्रभारी प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने साप्ताहिक परेड का किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के पुलिस मुखिया डीजीपी प्रशांत कुमार ने परेड को लेकर प्रदेश के जिलों की हकीकत जानी। इसके बाद उन्होंने सख्त निर्देश जारी किए। इसी निदेर्शों के क्रम में उन्नाव में भी आज सख्ती के साथ शुक्रवार की परेड कराई गई है। एसपी ने आवश्यक निर्देश भी दिए हैं। एसपी उन्नाव ने रिजर्व पुलिस लाइन में चल रही साप्ताहिक परेड का शुक्रवार सुबह निरीक्षण किया। जांच दौरान परेड में उपस्थित सभी पुलिस कर्मियों के टर्नआउट का अवलोकन किया। साथ ही परेड में शामिल सभी कर्मियों को साफ-सुधरी एवं निर्धारित वर्दी धारण करने और नियमानुसार टर्नआउट मेंटेन करने के निर्देश दिए हैं। कुछ खामियां पाए जाने पर अल्टीमेटम भी दिया है। बेहतरीन कार्य करने वाले कर्मियों की प्रशंसा की। एसपी सिद्धार्थ शंकर मीणा ने पुलिस कर्मियों में शारीरिक दक्षता विकसित करने के लिए दौड़ लगवाई और एकरूपता और अनुशासन बनाए रखने के लिए टोलीवार ड्रिल करवाई। बेहतर तरीके से ड्रिल कराने के लिए लाइन आरआई को निर्देश दिए हैं। परेड में सीओ सिटी सोनम सिंह लाइन आरआई अब्दुल रशीद के साथ विभिन्न थानों, कार्यालयों, शाखाओं एवं लाइन कर्मी सम्मिलित हुए। इसके बाद एसपी ने लाइन घरैया, प्रशासनिक भवन की सभी शाखाओं, थाना एएचटीयू, क्वार्टर गार्द व पीआरवी वाहनों और एमटी शाखा की भी जांच की। परेड के दौरान जनपद के कई थानों कार्यालयों और शाखाओं में तैनात पुलिसकर्मी भी सम्मिलित हुए। एसपी सिद्धार्थ शंकर मीणा ने परेड के दौरान उपस्थित पुलिसकर्मियों के साथ थानों से आई गाड़ियों में मौजूद रहने वाली मॉकड्रिल की सामग्री को चेक किया। एसपी ने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आपातकाल की स्थिति में किस तरह से निपटना है इसके पर्याप्त संसाधन मौजूद होने चाहिए।

पुलिस अंकल ने दी बच्चों को मैंगो पार्टी

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। वर्दी वाले मास्टर जी के नाम से लोकप्रिय सब इंस्पेक्टर अनूप मिश्रा अपूर्व द्वारा पुलिस लाईन स्थित प्राथमिक विद्यालय में आज मैंगो फेस्टिवल का आयोजन किया गया।अनूप मिश्रा अपूर्व ने कहा कि मैंगो डे बच्चों को स्वस्थ रहने के लिए ताजे फल खाने के महत्व से परिचित कराने का एक अवसर था। इस कार्यक्रम को और अधिक मनोरंजक बनाने के लिए दोपहर के भोजन के दौरान मैंगो पार्टी का आयोजन किया गया। बच्चों ने मैंगो पार्टी में पुलिस अंकल अनूप मिश्रा अपूर्व के साथ फलों के राजा आम का स्वाद चखा। इस अवसर पर पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात उप निरीक्षक अनूप मिश्रा अपूर्व ने कहानी और गीतों के जरिये बच्चों को आम के फायदे बताए और स्कूल परिसर में पौधे लगाने का संकल्प दिलाया । विद्यालय की इंचार्ज और सहायक अध्यापक नूपुर श्रीवास्तव ने कहा कि बच्चें को पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह के कार्यक्रमों में भी प्रतिभाग करना चाहिए, ताकि उनकी बौद्धिक व मानसिक क्षमता का विकास हो सके। इससे पूर्व बच्चों ने अपनी-अपनी कक्षाओं को आम के उपवन की तरह सजाया। बच्चों को पुरस्कार भी वितरित किए गए। विनर ऑफ दि मैंगो स्पीच कांप्टीशनकांप्टीशन में बच्चों ने आम और अन्य फलों के बारे में अपनी समझ और ज्ञान को व्यक्त करते हुए भाषण और कविताएँ प्रस्तुत कीं। पोस्टर पेंटिंग कांप्टीशन में आम के रंग बिरंगे रूप को कागज पर उतारा । इस मौके पर उप निरीक्षक अनूप मिश्रा अपूर्व, उप निरीक्षक रीना पाण्डेय, सहायक शिक्षिका नूपुर श्रीवास्तव सहित सभी बच्चे उपस्थित रहे।

संस्था कैडेट्स को दैवीय आपदा के दौरान जानमाल के बचाव के लिए बताया तरीका

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। शुक्रवार को राष्ट्रीय सैनिक छात्र सेवा परिषद संस्थापक अध्यक्ष अंकित शुक्ला के द्वारा आपदा प्रबंधन अभियान का शुभारंभ किया जिसके माध्यम से आमजन को आपदाग्रस्त के लिए जागरूक किया जाएगा लेक्चर एवं डिमोस्ट्रेशन का आयोजन किया गया। जिसमें संस्था कैडेटों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया कैडेटों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान बाढ़, भूकंप एवं मानव निर्मित आपदाओं से बचाव के लिए कई प्रकार की नसीहतें दी गयी अध्यक्ष अंकित शुक्ला ने भी प्रकार की आपदा में साहस नहीं खोने की सलाह दी। बाढ़ के समय बचाव के कई उपायों पर प्रकाश डाला अचानक बाढ़ आने की स्थिति में किसी ऊंचे स्थान पर शरण लेने, किसी भी हालत में तेज धार से बचने और विषम परिस्थिति में उस आपदा से उबरने के गुर भी सिखाये। उन्होंने भूकंप या अगलगी सहित मानव जनित आपदा की विस्तृत जानकारी देते हुए उससे बचाव का कई प्रकार के उपाय बताये इसके अलावे हार्ट अटैक के बारे में भी विस्तृत रूप से जानकारी दिए ओलावृष्टि, भूकंप, आगजनी, सर्पदंश, सूखा, अतिवृष्टि घरेलू सिलेंडर से होने वाली आपदाग्रस्त पर भी जानकारी आदि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान अपने व अन्य लोगों के बचाव व सुरक्षा की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कितने लोग अपना जीवन खो देते हैं परंतु ऐसे में यदि उन्हें समय पर प्राथमिक उपचार मिल जाए तो उनमें से काफी लोगों की जान बचाई जा सकती है सूबेदार मेजर मनधरी, दुर्गा ने अंकित शुक्ला की भूर-भूर तारीफ की और समाजहित कार्यक्रम को अधिक से अधिक आयोजित करें प्रशिक्षण में कई सैकड़ो ने भाग लिया ।जिसमे सूबेदार मेजर मनधरी, दुर्गा बहादुर थापा, एनडीआरएफ के आशुतोष कुमार ,राजेश मुरारी , पवन कुमार ,शिव शंकर सिंह ,दिवाकर कुमार शामिल रहे। फाउंडेशन स्कूल के कुल छात्र छात्राएं शामिल रहे।

बाढ़ पीड़ितों को बांटी गई राहत सामग्री

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। तहसील बीघापुर के गंगा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भगवंतनगर विधायक आशुतोष शुक्ला ने मौके पर पहुंचकर बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री बाटी। तहसील क्षेत्र के गंगा तटीय गाँवो में बढ़ते जलस्तर से हर वर्ष सैकड़ो लोगो को अपने घर से बेघर होना पड़ता है। मानसून की आहट उत्तर प्रदेश में हो चुकी है साथ ही बांधो से छोड़ा जाने वाला पानी भी गंगा तटीय लोगो के लिए मुसीबत का कारण बनता है। गंगा तटीय क्षेत्र पसनिया खेडा ,जयराजमऊ में शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक आशुतोष शुक्ला पहुचे जहा उन्होंने करीब 100 परिवारों को राहत सामग्री बाटी। इस मौके पर उपजिलाधिकारी क्षितिज द्विवेदी, नायब तहसीलदार अशोक शुक्ला के साथ सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे।

रेलवे ट्रैक का किया गया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कानपुर लखनऊ रेल रूट स्थित रेलवे पुल के जर्जर स्लीपर बदले जाने हैं। इसको लेकर दो दिन से लगातार अधिकारी पुल का निरीक्षण कर रहे हैं। पहले एडीआरएम और अब डीआरएम विशेष शैलून से पहुंचे। यहां उतरकर ट्रैक का निरीक्षण किया। स्लीपर बदलने के दौरान लगभग 25 दिन का मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान एक कर्मी ने वर्दी नहीं पहनी, जिस पर कार्रवाई की बात कही है। कानपुर-लखनऊ रेल रूट पर हाई स्पीड ट्रेनें चलाई जानी हैं। वहीं रेलवे पुल के स्लीपर काफी जर्जर हो चुके हैं। इससे अभी भी ट्रेनें कॉसन से गुजारी जा रही हैं। वहीं रेल पटरी भी काफी पुरानी हो चुकी है। चार दिन पहले पुल पर ही पटरी में बकलिंग हो गई थी। पहले एडीआरएम सचिन वर्मा ने पुल पर पहुंचकर निरीक्षण किया था। इसके बाद अब लखनऊ मंडल के डीआरएम एसएम शर्मा विशेष शैलून से रेलवे पुल पर पहुंचे। यहां कुछ देर रुककर पैदल ही ट्रैक का निरीक्षण किया। यहां कई स्लीपर जर्जर हालत में दिखे। उन्होंने बताया कि रेलवे पुल के स्लीपर बदले जाने हैं। इसमें लगभग 24, 25 दिन का मेगा ब्लॉक लिया जाना है। उसी को लेकर देखा जा रहा है कि ट्रेनों का संचालन कैसे मैनेज किया जाएगा। वहीं पटरी टेढ़ी होने के मामले में उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुये रेल पथ विभाग को फटकार लगाई।वहीं, एक पॉइंट्स मैन रेलवे की ड्रेस में न होने पर नाराजगी जाहिर की। डीआरएम ने बताया कि लापरवाही मिली है विभागीय कार्रवाई के साथ निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। मेगा ब्लॉक के दौरान लखनऊ से चलकर दिल्ली मुंबई को जाने वाली ट्रेनों की रफ्तार पर कुछ असर भी पड़ेगा। हालांकि रेलवे ने पहले से तैयारी मजबूत कर ली है, जिससे ट्रेन के संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

बढ़ रहा गंगा का जलस्तर स्नान करते समय बरते सावधानियां

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) नरेन्द्र सिंह ने बताया है कि वर्तमान समय में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से डूबने व सर्पदंश की घटनाएं ज्यादा होती है, ऐसी दशा में तेज धार या उफनायी हुई नदी, नहर, नाले तालाब आदि में स्वयं एवं अपने स्वजनों को जाने से रोकें, यदि स्नान करना जरूरी हो तो उतरने समय गहराई का ध्यान रखें। यदि तैरना जानते हो तभी पानी में उतरें/स्नान करे। एक साथ परिवार के कई लोग नदी या अन्य घाटों पर स्नान न करें। बच्चों को यदि स्नान करना हो तो बड़ों की कुशल देख-रेख में ही स्नान करायें। बच्चों को पुल, पुलिया, ऊँचे टीलों से पानी में कूद कर स्नान करने से रोके। सामूहिक रूप से स्नान करते समय साथ 10-15 मीटर लम्बी रस्सी या धोती/साड़ी अवश्य रखे। स्नान घाटों पर लिखी हुई चेतावनी अवश्य पढें। छोटे बच्चों को घाटों, जल निकायों के समीप न जाने दें। अनजान एवं सुनसान नदियों, नहरों, तालाबों के घाटों पर स्नान करने न जायें। किसी के उकसावे/बहकावें में आकर पानी में छलांग न लगाये। नदियों, नहरों या अन्य जल निकायों के घाटों पर पारंपरिक/धार्मिक/सामाजिक रीति-रिवाजों/अनुष्ठान/संस्कारों का निर्वहन करते समय किसी भी तरह की असावधानी न बरते। तैरते या पानी में स्नान करते समय स्टंट न करें या सेल्फी आदि न ले।

उन्होने बताया है कि इस मौसम में सर्पदंश की घटनाएं अधिक होती है। ऐसी घटनाएं होने पर या सर्प के काटने पर पीड़ित व्यक्ति को किसी भी प्रकार की शारीरिक क्रिया न करने दे। व्यक्ति की घबराहट दूर करें घबराहट से शरीर में जहर तेजी से फैलता है। मरीज के घाव से किसी भी प्रकार की छेड़-छाड़ न करे। घाव को साबुन पानी से धुले। घाव के आसपास से घड़ी, कड़ा, अंगुठी इत्यादि चीजों को तुरन्त उतार दे। जल्द से जल्द मरीज को अस्पताल ले जाये।

पीड़ित व्यक्ति को चिकित्सालय स्थानान्तरित होने के उपरान्त जल्द ही एन्टीवेनम दिया जाना चाहिए। सांप के जहर को चूस कर निकालने की कोशिश न करे। बिना चिकित्सीय सलाह किसी भी प्रकार की दवा मरीज को न दे। सपेरे अथवा तांत्रिक के चक्कर में न पड़े। सर्पदंश वाले भाग को रस्सी व पट्टी से न बाँधे।

भूमि विवाद में दो पक्षों में जमकर चले लाठी डंडे

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठियां और कुल्हाड़ीया जिससे एक ही पक्ष के तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया कोतवाली क्षेत्र ग्राम नौगवा निवासी रजनीकांत पुत्र रामकुमार के चाचा छोटेलाल की मौत हो गई थी जिनके पास पांच बीघा जमीन है जिसमें 2 बीघा जमीन रजनीकांत के पास तथा तीन बीघा जमीन चचेरा भाई महेंद्र जोत रहा था जिसको लेकर देर शाम दोनों पक्ष में विवाद हो गया और देखते-देखते कुल्हाड़ी चलने लगी जिससे रजनीकांत उसकी बहन प्रीति और रानी बुरी तरह घायल हो गए जिन्हें गांव वाले अस्पताल लेकर आएं जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया

वृद्ध ने पुलिस पर लगाए गंभीर आरोप

पुरवा, उन्नाव। कोतवालीक्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम चिन्नाखेड़ा मजरे बनिगांव निवासी 65 वर्षीय रमेश चंद्र पुत्र स्व बिंदा प्रसाद के मुताबिक बीते डेढ़ दशक पूर्व उसके पिता ने उसके पुत्र मनोज के नामें भूमि की थी।जिसमें उसके भाई मंगल व सुमेर ने आपत्ति लगाई।जिसमें 12 वर्ष बाद न्यायालय के आदेश बाद बेटे मनोज के नामें भूमि आई थी।जिसमें उसने कश्मीर के ईंट भट्ठे में मजदूरी करके मुकदमें में डेढ़ लाख रुपये खर्च किया था।भूमि होने के दो वर्षों तक मनोज ने उसे खाना-पानी आदि की व्यवस्था की।लेकिन बीते तीन माह से मनोज उसे खाना-पानी व रहने नहीं दे रहा।जिससे वह दर दर की ठोकरें खाने को विवश हैं।जिसमें बीते 11जुलाई को उसने बेटे के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर देकर न्याय की मांग की थी।जिसकी जांच में गये एक सिपाही ने फैसला कराने को उससे एक हजार रुपये लिये थे।परंतु फैसला न कराने से वह मारा मारा घूमने को मजबूर हैं।पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को हलफनामिया शिकायतीपत्र भेजकर सिपाही के विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की मांग की है।एसपी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ग्राहक बुलाने को लेकर दो दुकानदारों में जमकर चले लाठी डंडे

अमन लेखनी समाचार

सुमेरपुर, उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र अन्तर्गत भगवंतनगर चौकी के ग्राम भदेवरा में गुरुवार शाम विशेष समुदाय के दुकानदारों के मध्य जमकर मारपीट हो गयी जिसमे कई लोग घायल हो गए। मामला पुलिस तक पहुचने पर दोनो ही पक्षो का सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। चौकी क्षेत्र के भदेवरा बाजार में दुकान पर ग्राहक बुलाने को लेकर दो दुकानदारों के बीच विवाद हो गया। जिसमें लाठी डंडों सहित चाकू व चापड चल गये। इस घटना में कई लोगों को गंभीर चोटे आई हैं। घटना उस समय घटित हुई जिस समय भदेवरा गाँव की बाजार सड़क पर लगी थी। बाजार में ही मांस बेच रहे दुकानदारों के मध्य ग्राहकों को बुलाने को लेकर झगड़ा हो गया। देखते ही देखते दोनो पक्षो के मध्य जमकर लाठी डंडे व चाकू चापड़ चल गए। जिसमे कलीम व सलीम पुत्र मो०उमर गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुमेरपुर से प्राथमिक उपचार के उपरांत जिला अस्तपताल रिफर कर दिया गया जबकि वसीम पुत्र हबीब व अल्तमश पुत्र पुत्तू का उपचार सुमेरपुर स्वास्थ्य केंद्र में ही किया गया। एक पक्ष ने नईम पुत्र हबीब, अल्तमश पुत्र पुत्तू कुरेशी, अनश पुत्र पुत्तू व वसीम पुत्र हबीब के खिलाफ तहरीर दी है जबकि दूसरे पक्ष ने मोहम्मद सलीम पुत्र मोहम्मद उमर, मोहम्मद कलीम पुत्र मोहम्मद उमर, मोहम्मद जमील पुत्र नूर इलाही, मोहम्मद सफीक पुत्र नूर इलाही के खिलाफ तहरीर दी है। प्रभारी निरीक्षक शिव प्रकाश पांडेय ने बताया दोनो ही पक्षो का सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मार्ग दुर्घटना में घायल, वृद्ध की मौत

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र लखनऊ बांगरमऊ मार्ग सेमरा गांव के पंचम खेड़ा गांव निवासी बाबू 65 वर्ष बाइक से महुआ चौराहे से देर शाम बाइक लौट रहे थे मोहान की तरफ से आ रहे अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मारते हुए मियागंज की तरफ भाग निकला सूचना पर परिजनो ने घायल वृद्ध को लखनऊ के एक. न्यू अवध हॉस्पिटल में भर्ती कराया जहा सुधार नेहोने पर परिजन 16 जुलाई को घर ले आए थे जहा शुक्रवार दोपहर वृद्ध की मौत हो चुकी मृतक की पांच बेटी है जिनमे सुनीला, निर्मला, सोनी विवाहित हैरीना और रूबी अविवाहित है।पत्नी सुदेवी का रो रो कर बुराहाल है।कोतवाली पुलिस चंद्र कांत मिश्र ने बताया कि वृद्ध की मौत की सूचना मिली है परिजन अभी तहरीर नही दिया है। पीएम के लिए शव को भेजा गया है।

सम्पादकीय

अमेरिकी राजनीति के लिए कठिन परीक्षा का वक्त

अमेरिकी राजनीति भी क्या अब हिंसा के मार्ग पर है? विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्र अमेरिका का चुनावी इतिहास करीब-करीब हिंसक घटनाओं से परे रहा है। अब्राहम लिंकन, मार्टिन लूथर किंग जूनियर जैसे महान अमेरिकी नेताओं की राजनीतिक हत्याएं हुई हैं, लेकिन यूएस के चुनावी इतिहास में चुनावी सभा के दौरान किसी की जान लेने की कोशिश विरले ही हुई है। आखिर रिपब्लिकन की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एक सभा के दौरान जानलेवा हमला के पीछे मकसद क्या है? इसके पीछे कौन हो सकते हैं? कौन लोग हैं जिन्हें ट्रंप के नहीं रहने से फायदा हो सकता है? ट्रंप को राष्ट्रपति रहते हुए भी निशाना बनाया जा चुका है? आखिर ट्रंप रिपब्लिकन की ओर से इस बार उम्मीदवार बनने की जिद पर क्यों अड़े हैं। जैसे डेमोक्रेट्स की ओर से वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन उम्मीदवार बनने पर अड़े हैं। इस हमले में अगर ट्रंप को गंभीर चोट लगती तो अमेरिका में गृहयुद्ध भड़क सकता था। क्रोध, हताशा, आक्रोश, शत्रुता का एक नया स्तर सामने आ सकता था, जो अमेरिका ने कई वर्षों से नहीं देखा है। राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप का पहला कार्यकाल अमेरिका के हिसाब से बहुत उल्लेखनीय नहीं रहा, इसके बावजूद यूएस में ट्रंप के करोड़ों समर्थक हैं। हाल के दशकों में द्विदलीय व्यवस्था में अमेरिकी राजनीति तेजी से ध्रुवीकृत हुई है। पार्टी के अंदर भी व्यक्ति विशेष की राजनीति हावी हुई है। अमेरिका में कई लोग ट्रम्प को एक यूनिकॉर्न के रूप में देखते हैं, जिसने कई मायनों में वास्तव में पूरे रूढ़िवादी आंदोलन को निगल लिया है। 2016 के बाद से रूढ़िवादी आंदोलन नाटकीय रूप से बदल गया है, जब ट्रम्प पहली बार चुने गए थे, और ट्रम्पवाद की कई विशेषताएं वास्तव में अब रूढ़िवादी आंदोलन के विभिन्न हिस्सों में काफी लोकप्रिय हैं। इसलिए भले ही ट्रम्प किसी बिंदु पर सेवानिवृत्त होने का फैसला करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं कह सकते कि ट्रम्पवाद - लोकलुभावन विचारों के एक सेट के रूप में- राजनीति से गायब हो जाएगा। यदि विभिन्न दल, विभिन्न आंदोलन, कुछ मुद्दों पर एक साथ काम करने के इच्छुक नहीं हैं तो लोकतंत्र काम नहीं कर सकता। लोकतंत्र तब काम करता है जब कई समूह बातचीत के माध्यम से किसी प्रकार की आम सहमति तक पहुंचने, सहयोग करने और सहयोग करने के इच्छुक होते हैं। अमेरिका में पिछले 17 वर्षों में राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ा है और इसमें ट्रंप भी एक धुरी हैं। राजनीतिक असहमति का हिंसा या प्रतिशोध में बदलना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। ट्रंप पर हमले ने अमेरिका सुरक्षित के मिथ को तोड़ा है, अमेरिकी पुलिस की साख को कमजोर किया है, अमेरिकी लोकतंत्र के मानवतावादी व्यवहार का भंजन किया है। मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन प्रशासन को ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले के पीछे के सभी षड्यंत्र को जनता के सामने लाना चाहिए। अमेरिका खुद को महाशक्ति मानता है, लोकतंत्र का झंडाबरदार मानता है, मानवाधिकार का रक्षक मानता है, ऐसे में अमेरिकी सरकार पर अपनी प्रतिष्ठा की रक्षा की अधिक जिम्मेदारी है। आगे अमेरिका में चुनाव प्रचार और अधिक सघन होगा, इसलिए नेताओं की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। हिंसक हमले राजनीतिक सहानुभूति के औजार नहीं बनने चाहिए। अमेरिकी राजनीति के लिए यह कठिन वक्त है।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मीडिया के उलझे रिश्ते

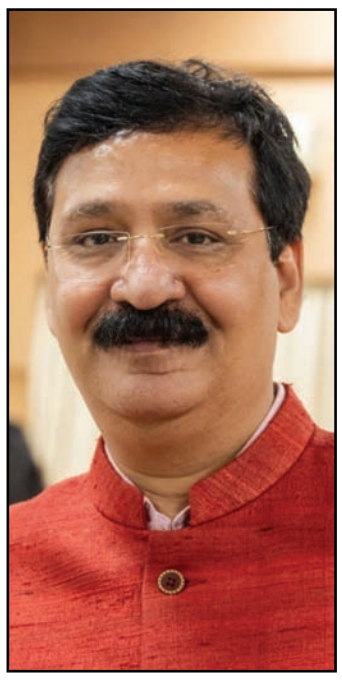

-प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी,

पूर्व महानिदेशक, भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली

हिंदी दैनिक अमन लेखनी लखनऊ

"माननीय प्रधानमंत्री जी हम आभारी हैं कि आप हमारे बीच आए। मेरी ऑन दी जॉब लर्निंग अब शुरू हो गई है और 2024 तक मैं देश की सबसे अच्छी जर्नलिस्ट होने की कोशिश करूंगी। उम्मीद करती हूं कि तब आपसे एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू करने का मौका मुझे मिलेगा। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।" ये शब्द हैं भारत की पहली एआई बॉट एंकर सना के। आर्टिफिशनल इंटेलिजेंस के मीडिया जगत में बढ़ते इस्तेमाल की कई संभावनाएं हैं। इसी में से एक है कि आने वाले समय में देश के प्रधानमंत्री एक एआई एंकर से देश के भविष्य और योजनाओं के बारे में चर्चा करते दिखें।

दरअसल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के 'टेक्स्ट टू स्पीच' फीचर की बदौलत अब भारतीय न्यूजरूम में मशीन को इंसानी चेहरे में ढालकर खबरें पेश की जा रही हैं। पिछले साल अप्रैल के महीने में इंडिया टुडे ग्रुप ने एआई एंकर से समाचार बुलेटिन का प्रसारण शुरू किया था। लॉन्च कार्यक्रम में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एंकर का परिचय देते हुए कहा गया था कि वह ब्राइट है, सुंदर है, उम्र का उन पर कोई असर नहीं होता है और न ही कोई थकान होती है, वो बहुत सारी भाषाओं में बात कर सकती हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारी दुनिया को फिर से परिभाषित करने, मानवीय क्षमता की सीमाओं को पार करने और अभूतपूर्व पैमाने पर उद्योगों और अर्थव्यवस्थाओं को नया आकार देने के लिए तैयार है। मीडिया और मनोरंजन के क्षेत्र में, एआई का आगमन कंटेंट क्रिएटर्स को सामग्री निर्माण के लिए शक्तिशाली उपकरणों से सशक्त बना रहा है, नए अनुभवों को अनलॉक कर रहा है और कलात्मक अभिव्यक्ति के विभिन्न रूपों का उपभोग करने, बनाने और उनसे जुड़ने के तरीके को हमेशा के लिए बदल रहा है।

हाल के कुछ समय से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बहुत चर्चा का विषय बना हुआ है और पत्रकारिता का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रह रहा है। मौजूदा समय में भारत की मेनस्ट्रीम मीडिया का बड़ा हिस्सा विज्ञापन पर निर्भर होकर काम कर रहा है। ऐसे में तकनीक के जरिये डेटा के आधार पर समाचार बुलेटिन प्रस्तुत करना और अन्य काम भी इंसान की जगह मशीन की बदौलत होने ने मीडिया इंडस्ट्री के सामने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पत्रकारिता के भविष्य से लेकर पत्रकारिता करने वालों के भविष्य को लेकर भी संकट खड़ा होने की बात कही जा रही है। लेकिन एआई पत्रकारिता वास्तव में क्या है? क्या यह चिंता का एक विषय है या फिर सूचना जगत में एक ऐसी नई क्रांति है, जो पत्रकारिता के सही आयाम स्थापित करने में कामयाब हो पाएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पत्रकारिता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे जीवन के लगभग सभी पहलूओं समेत पत्रकारिता में भी शामिल हो गई है। डिजिटल मीडिया की वजह से जाने-अनजाने में ही एआई तकनीक पर आधारित कंटेंट का इस्तेमाल कर रहे हैं। चाहे वह यू-ट्यूब के एल्गोदिरम की वजह से आपको दिखते वीडियो हों या वेबसाइट पर दिखने वाले विज्ञापन। सभी का एक कारण एआई तकनीक ही है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव की वजह से एआई पत्रकारिता में बड़ी भूमिका निभा रहा है। मीडिया कंपनियां अपने कंटेंट को अधिक बूस्ट करने के लिए एआई की मदद ले रही हैं। लेख लिखने से लेकर बुलेटिन प्रसारित करने तक में एआई का सहारा लिया जा रहा है। दुनिया भर के बड़े-बड़े मीडिया हाउस एआई द्वारा लिखे लेख को प्रकाशित कर रहे हैं। एक तरफ तो यह काम को आसान और तेजी से कर रहा है, दूसरी ओर यह कई सवाल भी खड़े करता है जिसमें विश्वसनीयता और अखंडता सबसे पहले है। साथ ही क्या सजृनशीलता पर आधारित क्षेत्र में एआई से डेटा आधारित बातचीत और जानकारी, पत्रकारिता के धरातल पर काम कर पाएगी? पत्रकारिता के सबसे मजबूत और शुरूआती मूल्य 'ग्राउंड रिपोर्टिंग' का भविष्य इससे बच पाएगा?

खतरे में पत्रकारों की नौकरियां

इंसान की जगह मशीन के इस्तेमाल होने का पहला खतरा इंसानों पर ही पड़ता है। 'न्यूजजीपीटी', दुनिया का पहला समाचार चैनल है, जिसका पूरा कंटेंट आर्टिफिशल इंटेलिजेंस द्वारा तैयार किया जा रहा है। चैनल के प्रमुख एलन लैवी ने इसे खबरों की दुनिया का गेम चेंजर कहा था, क्योंकि ना इसमें कोई रिपोर्टर है और ना ही यह किसी से प्रभावित है। यहां यही बात मीडिया जगत में काम करने वाले लोगों के लिए बड़ा खतरा है। जैसे-जैसे मीडिया के क्षेत्र में एआई का प्रभुत्व बढ़ रहा है, वहां मौजूदा लोगों की नौकरियों पर तकनीक का कब्जा होने की संभावना ज्यादा नजर आ रही है। लेखन, संपादन, एंकरिंग, प्रस्तुतीकरण तक के सारे कामों में एआई का सहारा लिया जा रहा है।

बीबीसी द्वारा प्रकाशित एक समाचार के अनुसार साल 2020 में माइक्रोसॉफ्ट ने बड़ी संख्या मे 'एमएसएन' वेबसाइट के लिए लेखों के चयन, क्यूरेटिंग, हेडलाइन तय करने और एडिटिंग करने वाले पत्रकारों की जगह स्वचलित सिस्टम को अपनाने की योजना बनाई। खबर के अनुसार कंपनी ने एआई तकनीक के सहारे खबरों के प्रोडक्शन के कामों को पूरा करना तय किया। माइक्रोसॉफ्ट जैसी अन्य टेक कंपनियां मीडिया संस्थानों को उनका कंटेंट इस्तेमाल करने के लिए भुगतान करती हैं। इन सब कामों के लिए पेशेवर पत्रकारों की मदद ली जाती आई है, जो कहानियां तय करने, उनका प्रकाशन कैसे होना है, हेडलाइन तय करने जैसे काम करते हैं। लेकिन माइक्रोसॉफ्ट के एआई तकनीक के इस्तेमाल के बाद से लगभग 50 न्यूज प्रोड्यूसर्स को अपनी नौकरी गंवानी पड़ी।

ठीक इसी तरह साल 2022 के अंत में अमेरिकी टेक्नोलॉजी न्यूज वेबसाइट 'सीएनईटी' एआई तकनीक का इस्तेमाल करते हुए चीजें अलग ही स्तर पर ले गई। कंपनी ने एआई प्रोग्राम के तहत लिखे गए दर्जनों फीचर लेख चुपचाप तरीके से प्रकाशित किए। जनवरी 2023 तक कंपनी ने इन सब अटकलों की पुष्टि नहीं की थी, जिसे केवल एक प्रयोग बताया जा रहा था। इतना ही नहीं एसोसिएटेड प्रेस ने भी अपनी कहानियों के लिए एआई का इस्तेमाल किया। ये सब बातें बताती हैं कि कैसे समाचारों को चुनने, उनको व्यवस्थित करने के लिए काम करने वाले मीडिया के पेशेवरों की नौकरियां एआई ले रहा है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अपने शुरूआती दौर में है, लेकिन अभी से न्यूजरूम के भीतर उसकी मौजूदगी से मीडिया पेशवरों की नौकरियों पर संकट बनना शुरू हो चुका है। डायच वेले के अनुसार हाल ही में यूरोप के सबसे बड़े पब्लिकेशन हाउस 'एक्सल स्प्रिंगर' ने कई संपादकीय नौकरियों को एआई में बदल दिया है। स्प्रिंगर में नौकरियों की कटौती से मीडिया उद्योग के रोबोट पर निर्भरता की आशंकाओं में तेजी ला दी है।

न्यूजरूम में एआई एंकर

भारत समेत कई अन्य देशों में न्यूज एंकर के तौर पर कम्प्यूटर जनित मॉडल यानी एआई एंकर समाचार पढ़ते नजर आ रहे हैं। बहुत हद तक इंसानी तौर पर दिखने वाले ये न्यूज एंकर कॉर्पोरेट मीडिया हाउस के मुनाफे वाले दृष्टिकोण से हितैषी हैं, क्योंकि इन्हें न कोई सैलरी की आवश्यकता है, ना छुट्टी की। ये 24 घंटे और सातों दिन डेटा के आधार पर काम कर सकते हैं। भारत की पहली एआई न्यूज एंकर सना के लॉन्च के समय इसी तरह के शब्द कहे गए थे कि वह बिना थके लंबे समय तक काम कर सकती है।

द गार्डियन के अनुसार साल 2018 में चीन की न्यूज एजेंसी 'शिन्हुआ' पहला एआई न्यूज एंकर दुनिया के सामने लाई। इस एजेंसी के किउ हाओ पहले एआई एंकर हैं, जिसने डिजिटल वर्जन पर समाचार प्रस्तुत किया। शिन्हुआ और चीनी सर्च इंजन सोगो द्वारा यह एआई एंकर विकसित किया गया है। प्रकाशकों ने चीन के वार्षिक वर्ल्ड इंटरनेट कॉन्फ्रेंस के कार्यक्रम के दौरान इसकी घोषणा की थी। इसी से जुड़ी दूसरी के अनुसार पिछले वर्ष चीन ने एआई महिला न्यूज एंकर रेन जिया ओरॉन्ग को लॉन्च किया। चीन सरकार केंद्रित पीपल्स डेली अखबार ने दावा किया है कि इस एआई न्यूज एंकर ने हजारों न्यूज एंकर्स से स्किल सीखे हैं और वह 365 दिन 24 घंटे लगातार खबरें बता सकती है। चीन के अलावा कुवैत भी अपना एआई न्यूज एंकर लॉन्च कर चुका है। हाल ही में 'न्यूज 18' के पंजाब और हरियाणा के क्षेत्रीय चैनल की तरफ से भी एआई एंकर के बारे में बात की गई। इस एंकर का नाम एआई कौर है। हाल ही में रूस के स्वोए टीवी ने स्नेजना तुमानोवा को पहले वर्चुअल मौसम की खबर प्रस्तुत करने वाले के रूप में पेश किया।

इस तरह से दुनिया के अलग-अलग मीडिया संस्थानों की ओर से एआई तकनीक के न्यूज एंकर को लॉन्च किया जा रहा है। एक के बाद एक एआई न्यूज एंकर के लॉन्च को मीडिया की नई क्रांति और बदलाव बताया जा रहा है। अब यह देखना होगा कि सूचना के क्षेत्र में एआई समावेशिता, विश्वसनीयता स्थापित कर पाती है या नहीं। क्योंकि अगर अब तक लॉन्च एआई एंकर्स के रूप-आकार को लेकर बात करे तो उससे पूरी तरह समावेशिता गायब है। लॉन्च एंकर का आकार यूरो सैंट्रिक ब्यूटी स्टैंडर्ड को ध्यान में रखकर गढ़ा गया है जैसे गोरा रंग, एक खास तय किस्म की बॉडी आदि। सूचना के क्षेत्र में प्रस्तुतिकरण में इस तरह से पूर्वाग्रहों को और स्थापित करने का काम किया जा रहा है।

एआई की दुनिया और विश्वसनीयता

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अभी अपने शुरूआती चरण में है, लेकिन यह देखना वास्तव में बहुत दिलचस्प होगा कि यह पत्रकारिता को किस तरह से बदलेगा। क्योंकि आज क्लिकबेट पत्रकारिता, फेक न्यूज और प्राइम टाइम में चिल्लाने वाली पत्रकारिता का दौर है। ऐसे में क्या रोबोट, इंसानी रवैये के इतर विवेक के साथ पत्रकारिता करेंगे? प्रसिद्ध मीडिया स्तंभकार पामेल फिलिपोज ने कहा है कि एआई और उसके इस्तेमाल से पैदा खतरे वास्तविक हैं। एआई अधिक बहुस्तरीय समस्या को पैदा कर सकता है, जैसे एआई दुष्प्रचार अधिक फैला सकता है।

फिलिपोज ने आगे कहा है कि फेक न्यूज अब व्हाट्सएप टेक्स्ट और तस्वीरों के माध्यम से प्रसारित की जाती हैं और एआई की पूरी क्षमता रॉ डेटा को पुर्नजीवित करना है। इस तरह बहुत से पत्रकार और मीडिया पेशवरों का मानना है कि एल्गोदिरम और ऑटोमेशन पर बढ़ती निर्भरता से पत्रकारिता की विश्वसनीयता कम होने का खतरा है।

एआई न्यूज एंकर या पत्रिकारिता में एआई की निर्भरता सूचना क्षेत्र के भविष्य के लिए दोधारी तलवार है। एक तरफ इससे मीडिया के नयेपन और संचार के क्षेत्र की अपार संभावनों पर ध्यान दिया जा रहा है। वहीं इसे नैतिक और जिम्मेदारी तय करने के लिए रेग्यूलेशन और निरीक्षण की आवश्यकता भी है। ऐसे दौर में जहां मीडिया में पहले से ही ग्राउंड रिपोर्ट, खोजी पत्रकारिता और जनपक्ष की कमी है, उस समय में एआई तकनीक का बढ़ता प्रभाव सूचनाओं से मानवीय पक्ष को खत्म करने वाला ज्यादा नजर आ रहा है।

राजस्थान

बाल मुकुन्द ओझा

फोन टैपिंग के जिन्न से फिर गरमाई सियासत

राजस्थान में जन प्रतिनिधियों के फोन टैपिंग का जिन्न एक बार फिर बोतल से बाहर आ गया है। इसी के साथ गहलोत शासन के दौरान का फोन टैपिंग का मुद्दा फिर गरमा गया है। 2020 में कांग्रेस के भीतर गुटबाजी का यह किस्सा 4 साल बाद एक बार फिर सुर्खियों में है। फोन टैपिंग का रहस्योद्घाटन और कोई नहीं अपितु खुद गहलोत के शासन के समय के अधिकारी कर रहे हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और उनके ओएसडी रह चुके लोकेश शर्मा की बातचीत के वायरल हुए एक पुराने ऑडिया ने सियासत में फिर तहलका मचा दिया है। इस ऑडियो से पिछली सरकार में सुर्खियों में आए फोन टैपिंग के मुद्दे को फिर हवा मिल गई है। कथित ऑडियो उस समय का बताया जा रहा है कि जब गहलोत मुख्यमंत्री थे। अब यह ऑडियो वायरल हुआ है। इसको लेकर अब भाजपा नेता कांग्रेस पर जमकर हमलावर हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने गहलोत के पुराने ऑडियो के वायरल होने पर गहलोत पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह बात मैं चीख-चीखकर सरकार और न्यायालय को सुनाना चाहता था, लेकिन अब जो ऑडियो सामने आया है, उसने सारी बात स्पष्ट कर दी है। गहलोत और लोकेश शर्मा के बीच की बातचीत का यह ऑडियो वायरल होने के बाद सियासत में जमकर हलचल मची हुई है। शेखावत ने इस ऑडियो को लेकर गहलोत को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि हाल में जो ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं।

उसमें पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत और उनके ओएसडी लोकेश शर्मा की बातचीत से जनता के सामने स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस के शासनकाल में फोन टैपिंग हुई हैं। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि फोन टैपिंग अपराध है। उसके साथ-साथ जिस शपथ को लेकर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर आसीन हुए थे, उस शपथ का अनादर करते हुए उन्होंने जो कुछ भी उनके संज्ञान में गोपनीय तरीके से लाया गया था। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री होने के नाते उसको खुद एक ऑडियो टैप के माध्यम से एक पेन ड्राइव देकर लीक करने का काम किया। यह प्रकरण दिल्ली के एक न्यायलय में भी विचाराधीन है।

गौरतलब है गहलोत शासन के दौरान असंतुष्ट नेता सचिन पायलट व 18 अन्य कांग्रेस विधायकों द्वारा मुख्यमंत्री गहलोत के नेतृत्व के खिलाफ बगावती तेवर अपनाए जाने के बाद कांग्रेस ने अपने विधायकों को लंबे समय तक अलग-अलग होटलों में रखा था। इसी घटनाक्रम में विधायकों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के फोन टैप किए जाने के आरोप लगे थे। हालांकि अधिकारियों व तत्कालीन मुख्यमंत्री गहलोत ने खुद इसका खंडन किया। फोन टैपिंग का यह मामला सुर्खियों में आने के बाद दबी चिंगारी फिर सुलग उठी है। गहलोत के लिए यह गले की हड्डी बन गया है और भाजपा इसे बख्श दिए जाने के मूड में नहीं है। आगे राजनीति गर्माने वाली है।

उस दौरान सचिन पायलट खेमे के 19 विधायकों ने गहलोत सरकार के खिलाफ बगावत की थी और ये विधायक मानेसर के एक होटल में अलग से बाड़ेबंदी में चले गए थे। उसके बाद 15 जुलाई 2020 को गहलोत गुट की तरफ से कुछ ऑडियो टेप जारी किए गए थे। इन ऑडियो टेप में गहलोत खेमे की तरफ से दावा किया गया था कि केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह, कांग्रेस विधायक भंवरलाल शर्मा और तत्कालीन मंत्री विश्वेंद्र सिंह की बातचीत है। उस बातचीत में सरकार गिराने और पैसों के लेनदेन की बातें थीं। गहलोत ने कई बार कहा कि सरकार गिराने के षड्यंत्र करने में हुए करोड़ों के लनेदेन के सबूत हैं और ये आरोप झूठे हों तो राजनीति छोड़ दूंगा। जिन नेताओं के ऑडियो टेप आए थे, उनके वॉयस टेस्ट नहीं हुए थे।

आतंकवाद का नया कश्मीर

अब डोडा जिले की बारी है। राजौरी-पुंछ, कठुआ और डोडा सभी जम्मू संभाग के हिस्से हैं। बीते तीन सप्ताह के दौरान तीन आतंकी हमले हो चुके हैं। डोडा आतंकी मुठभेड़ में कैप्टन समेत चार सैनिक शहीद हुए हैं। इससे पहले कठुआ में पुलवामा का सारांश सरीखा हमला किया गया था, जिसमें 5 जवान शहीद हुए थे। बीते दो साल में 1 कर्नल, 3 कैप्टन, 5 मेजर समेत 10 अफसर कुर्बान करने पड़े हैं। हालांकि 2005 से 2021 तक जम्मू संभाग बिल्कुल शांत रहा। यह सेना प्रमुख से लेकर सत्ताधारी लोगों का मानना और दावा भी है, लेकिन अब जम्मू आतंकवाद का नया कश्मीर बनता जा रहा है। पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं उत्तरी कमान के प्रमुख जनरल रहे दीपेन्द्र सिंह हुड्डा का मानना है कि जम्मू संभाग के इस इलाके में मैदान कम और जंगल ज्यादा, घने हैं। डोडा में जहां आतंकी हमला हुआ, वहां पहाड़ के एक तरफ 200 वर्ग किमी का जंगल है, जबकि हमारा तलाशी अभियान सिर्फ 50 वर्ग किमी में ही चलता रहा है। कश्मीर में जंगल कम और बर्फ के पहाड़ ज्यादा हैं, लिहाजा आतंकियों पर दूर से भी नजर रखी जा सकती है। जम्मू के लिए हमें नई, आक्रामक रणनीति बनानी चाहिए। कश्मीर घाटी में इतने सुरक्षा बल आज भी हैं कि आतंकी हरकत करने के घंटे-दो घंटे में आतंकियों को ढेर किया जा सकता है। जम्मू में सुरक्षा बल अपेक्षाकृत कम हैं। आतंकी उसी का फायदा उठाकर भाग जाते हैं। जंगल इतने घने हैं कि हेलीकॉप्टर या ड्रोन से आतंकियों के सुराग नहीं लगाए जा सकते। बहरहाल यदि रणनीति बदलनी है, तो वह कब तक बदली जाएगी? अथवा हम शहादतों के आंकड़े गिनते रहेंगे? बेशक हमारे सुरक्षा बलों ने 2023 में 87 आतंकी और 3 जुलाई, 2024 तक 21 आतंकियों को ढेर किया है, लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है? आतंकी तो मरने के लिए या जेहाद की खातिर सीमा पार करके हमारे जम्मू-कश्मीर में घुसते हैं। उनके साथ मुठभेड़ में या आतंकी हमले में भारत के जो सैनिक शहीद होते हैं, क्या उनका मूल्यांकन किया जा सकता है? क्या उनकी भरपाई की जा सकती है? एक लंबी, थकाऊ ट्रेनिंग और लाखों रुपए खर्च करके औसतन एक सैनिक तैयार किया जाता है। आखिर शहादत का यह सिलसिला कब तक चलेगा? क्या हमारे सैन्य ऑपरेशन आतंकियों और कश्मीर टाइगर्स सरीखे आतंकी गुट को नेस्तनाबूद करने के मद्देनजर संचालित नहीं किए जा सकते? कठुआ वाला हमला भी इसी आतंकी गुट ने किया था। वह संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद का जम्मू-कश्मीर में एक फर्जी, नकली नाम है। कश्मीर टाइगर्स के आतंकी पाकिस्तान में भर्ती होते हैं, वहीं ट्रेनिंग लेते हैं और दिवालिया पाकिस्तान ही उन्हें पैसा देता है।

अंतर्मन

आज की पाती

भाजपा के लिए उपचुनाव के सबक

आम चुनाव के कुछ ही समय बाद देश के कुछ राज्यों में विधानसभाओं के उपचुनाव हुए। इन उपचुनावों में कांग्रेस और इसके साथी राजनीतिक दलों को अच्छी जीत और भाजपा को निराशा हाथ लगी। हमारा देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतंत्र में हर चुनाव में ऊंट किस करवट बैठ जाए अर्थात मतदाता किसके सिर जीत का ताज सजा दे, यह कोई पता नहीं, लोकतंत्र में मतदाता सर्वोपरि होता है। लेकिन उपचुनाव से ही किसी भी राजनीतिक दल का भविष्य तय नहीं किया जा सकता, क्योंकि आमजन हर चुनाव में मतदान करता है और अलग-अलग नजरिया और सोच रखता है। बहरहाल, अगर भाजपा को भविष्य में जीत हासिल करनी है तो उसे स्थानीय नेताओं को महत्व देना होगा।

- देवदत्त बसु, भिलाई

ट्रेंड

शक्ति का जश्न

विश्व युवा कौशल दिवस पर, अपने युवाओं की क्षमता और शक्ति का जश्न मनाएं। कौशल विकास में निवेश उज्ज्वल कल का मार्ग प्रशस्त करता है। युवाओं को शिक्षा और अवसरों से सशक्त बनाना नवाचार और प्रगति का भविष्य सुनिश्चित करता है। विश्व युवा कौशल दिवस की शुभकामनाएं।

-नितिन गड़करी, केंद्रीय मंत्री

शालीनता का अमेरिका

अमेरिकी लोकतंत्र में असहमति अपरिहार्य है। यह मानव स्वभाव है, लेकिन राजनीति कभी भी शाब्दिक युद्धक्षेत्र नहीं होनी चाहिए। हम ऐसे अमेरिका के लिए खड़े हैं जो अतिवाद और रोष का नहीं, बल्कि शालीनता और शालीनता का अमेरिका है।

-जो बाइडन, अमेरिकी राष्ट्रपति

अनिष्ट की आशंका

मेरे ससुर पेंसिल्वेनिया में शनिवार को रैली में थे। जब गोलियां चलीं और ट्रंप नीचे गिरे तो अफरा-तफरी मच गई। सभी को अनिष्ट की आशंका थी। लेकिन फिर ट्रंप उठे, अपने ही खून में लथपथ, मुट्ठी को निडरता से उठाया और भीड़ उसे यह कहते हुए देख सकती थी, लड़ो।

-एलन मास्क, उद्योगपति

शंकर महादेवन बहुत पसंद

मुझे शंकर महादेवन बहुत पसंद है। बतौर गायक तो स्वाभाविक ही है बतौर इंसान भी। शंकर का गाया हुआ शिव स्रोतम मैं लगभग रोज सुनता हूं। जब वो मुझे अनंत अंबानी और राधिका की शादी में मिले तो मैंने चंद पंक्तियां गाने की रिक्वेस्ट की।

-अनुपम खेर, अभिनेता

करंट अफेयर

चीन और रूस में संयुक्त नौसैन्य अभ्यास शुरू

चीन और रूस की नौसेनाओं ने रविवार को दक्षिणी चीन में एक सैन्य बंदरगाह पर संयुक्त अभ्यास शुरू किया। चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने यह जानकारी दी। यह अभ्यास ऐसे वक्त में हो रहा है, जब कुछ दिन पहले उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के सदस्य देशों ने बीजिंग को यूक्रेन में युद्ध का ''निर्णायक समर्थक'' बताया था। चीन के रक्षा मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि दोनों देशों की वायु सेना ने हाल में पश्चिमी और उत्तरी प्रशांत महासागर में गश्त की और इस अभ्यास का अंतरराष्ट्रीय व क्षेत्रीय स्थितियों से कोई लेना-देना नहीं है तथा इसमें किसी तीसरे पक्ष को निशाना नहीं बनाया गया।

ऑफ बीट

शंघाई पर समुद्र में डूबने का खतरा मंडराया

चीन का सबसे विकसित और अमीर शहर शंघाई पिछले कम से कम 100 साल से भूमि अवतलन की समस्या से जूझ रहा है। यह चीन के उन शुरुआती शहरों में से एक हैं, जिनमें गंभीर स्तर पर भू-अवतलन हो रहा है। शंघाई में 1921 से 2007 के बीच 22.94 मिमी प्रति वर्ष की औसत दर से भूमि अवलतन हुआ। बहरहाल, भू-अवतलन की यह दर 2010 में स्थिर हो गई, लेकिन वैश्विक तापमाना में वृद्धि की वजह से समुद्र के बढ़ते जलस्तर ने दो करोड़ 40 लाख की आबादी वाले शहर के लिए नया खतरा पैदा कर दिया है। भू-अवतलन के अब अपेक्षाकृत स्थिर होने का अनुमान है,

संक्षेप

रिक्त पड़े ग्राम पंचायत सदस्य व क्षेत्र पंचायत सदस्य पद का होगा उप चुनाव

सुमेरपुर, उन्नाव। विकास खंड अन्तर्गत विभिन्न गाँवो में रिक्त हुए क्षेत्र पंचायत सदस्य व ग्राम पंचायत सदस्य के चुनाव तिथि शाशन द्वारा निर्धारित कर दी गयी है। विगत हो ग्राम कोटवर की क्षेत्र पंचायत सदस्य श्यामा देवी पत्नी प्रेमशंकर ,कीरतपुर की ग्राम पंचायत सदस्य तारादेवी पत्नी मोतीलाल जबकि धनकोली ग्रामसभा के ग्राम पंचायत सदस्य संतोष पुत्र रामनाथ की असमय मृत्यु हो जाने के कारण पद रिक्त पड़े थे। इन रिक्त पदों में कोटवर ग्राम सभा अन्य पिछड़ा वर्ग महिला ,कीरतपुर ग्राम सभा अन्य पिछड़ा वर्ग महिला जबकि धनकोली ग्राम सभा अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया गया है। शाशन के निदेर्शानुसार नाम निर्देशन पत्रों को जमा करने का अन्तिम तिथि 22 जुलाई, नाम निर्देशन पत्रों की जाँच का 23 जुलाई,उम्मीदवारी वापस लेने का व प्रतीक आवंटन 24 जुलाई, मतदान का दिनांक 06 अगस्त,जबकि मतगणना 08 अगस्त को प्रातः 07.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक करायी जाएगी। चुनाव को सुचारू ढंग से सम्पन्न कराने हेतु खंड शिक्षा अधिकारी सुमेरपुर अखिलेश कुमार वर्मा को निर्वाचन अधिकारी आरो जबकि जेई लघु सिंचाई अशोक कुमार को सहायक निर्वाचन अधिकारी एआरओ बनाया गया है। सहायक निर्वाचन अधिकारी ने बताया अभी तक कोटवर में रिक्त क्षेत्र पंचायत सदस्य पदों हेतु रश्मि पुत्री वीरभान व सियावती पत्नी रामकुमार द्वारा ही पर्चे लिए गए है।

सेना के जवानों ने बाढ़ क्षेत्र का लिया जायजा

उन्नाव। गंगा का जलस्तर घट और बढ़ रहा है। दो दिन पहले चेतावनी बिंदु पार कर गया था। शुक्लागंज के निचले इलाकों के कई मोहल्लों के सैकड़ों घर पानी से अभी भी घिरे हुए हैं। पश्चिम में हो रही भारी बारिश के चलते एक बार फिर गंगा में बढ़ोतरी हो सकती है। इसके चलते सेना ने बाढ़ क्षेत्रों का दौरा कर हकीकत देखी है। केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार बुधवार शाम छह बजे गंगा का जलस्तर 111.900 मीटर दर्ज किया गया था। गुरुवार को भी जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई और सुबह दस बजे 111.770 मीटर दर्ज किया गया। इसके बाद शाम छह बजे 111.680 मीटर ही रह गया। शुक्रवार सुबह भी जलस्तर में गिरावट देखने को मिली है। जलस्तर में गिरावट होने के बावजूद गोताखोर, शाही नगर, मोम्मद नगर, चंपापुरवा, मनसुख खेड़ा, कर्बला में रहने वाले लोगों की समस्याएं बरकरार हैं। यहां के लोगों को नावों से आना जाना पड़ रहा है। निचले इलाकों की तमाम गलियों में अभी भी नावें चल रही हैं। वहीं आने वाले दिनों में गंगा का जलस्तर एक बार फिर बढ़ सकता है। जिसे देखते हुए क्षेत्रीय लेखपाल अशोक सैनी के साथ सेना के जवानों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया है। चंपापुरवा के रहने वाले नसीम ने बताया कि हर बार पहले जलस्तर बढ़ता है उसके बाद अचानक गिरावट शुरू होती है, जिससे लोग निश्चिंत हो जाते हैं, लेकिन फिर से अचानक बढ़ोतरी दर्ज की जाती है फिलहाल अभी जलस्तर घटने से राहत की उम्मीद न के बराबर समझी जा रही है क्योंकि जल स्तर बढ़ने के भी आसार दिखाई दे रहे हैं।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित हुआ पौधारोपण

बीडीओ संदीप तिवारी के नेतृत्व में लगाए गए चार हजार पौधे

विधायक रामनिवास वर्मा व ब्लाक प्रमुख की मौजूदगी में हुआ पौधारोपण

अमन लेखनी समाचार/मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। धरती को हरा भरा बनाए रखने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार लगातार पौधारोपण करवा रही है। इस बार का विषय एक पौधा मां के नाम के अंतर्गत पौधरोपण कराया जा रहा है। इसी क्रम में खंड विकास अधिकारी बलहा संदीप तिवारी के नेतृत्व में बृहद पौधारोपण का अभियान चलाया जा रहा है जिसमें ग्रामीण भी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं साथ ही पौधों के संरक्षण की भी जिम्मेदारी ले रहे है। विधानसभा नानपारा के विकास खंड बलहा के ग्राम पंचायत परसा अगैय्या में एक पौधा मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक नानपारा राम निवास वर्मा व विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख विजय कुमार वर्मा व प्रमुख प्रतिनिधि कृपाराम वर्मा रहे। पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ पूरे विधि विधान से किया गया। मुख्य अतिथि विधायक राम निवास वर्मा ने आम का पौध रोपण कर करते हुए कहा कि सभी लोग अपनी माँ के नाम एक पौधा लगाकर उसकी रक्षा करें। मौके पर मौजूद ग्रामीणो द्वारा एक एक पौधे को गोद लेते हुए विभिन्न प्रकार के चार हजार पौधे रोपे गये। पौधों की सुरक्षा की जिम्मेदारी ग्रामीणो ने लेते हुए कहा कि वीडियो साहब ने जो पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी दी है बाखूबी निभाऊंगा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्लाक प्रमुख विजय वर्मा ने कहा कि वृक्ष प्रकृति द्वारा हम सभी को प्रदत्त एक अनुपम उपहार है। पेड़ पौधे धरती का श्रृंगार है। वृक्ष लगाकर हम अपनी मां के प्रति अपना प्रेम व्यक्त करते है। भाजपा पिछड़ा मोर्चा जिलाध्यक्ष कृपाराम वर्मा ने कहा कि जीवन के लिए पर्यावरण का शुद्ध रहना आवश्यक है पर्यावरण तभी स्वच्छ रहेगी जब धरती माँ हरी भरी रहेगी। खंड विकास अधिकारी संदीप कुमार तिवारी ने बताया कि एक पौधा मां के नाम के तहत कार्यक्रम की शुरूआत कर अमृत वन लगाया गया है पौधों की सुरक्षा के लिए वायर फेंसिंग लगाई गई है इसके साथ पौधों की सिंचाई के लिए बोरिंग की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि यहां के ग्रामीणों ने भी पौधों के संरक्षण की बात कही है। इस मौके पर एपीओ अनिल तिवारी सचिव आशीष शर्मा, रविंद्र यादव सहित काफी संख्या में प्रकृति प्रेमी ग्रामीण उपस्थित रहे।

खाद बीज लाइसेंस के लिए अब नहीं लगानी पड़ेगी दौड़ भाग, बनेगा ऑनलाइन लाइसेंस

खाद बीज उर्वरक के लाइसेंस ऑनलाइन ही जारी होंगे: डीएओ सुबेदार यादव

अमन लेखनी समाचार/मिथिलेश जायसवाल

बहराइच। जनपद में खाद बीज की दुकान के लिए अब दुकानदारों को लाइसेंस प्राप्त करने के लिए कार्यालय का चक्कर लगाना नहीं पड़ेगा बल्कि अपने घर से ही उन्हें ऑनलाइन करके लाइसेंस प्राप्त हो जाएगा इसके लिए कृषि विभाग ने इसके लिए एक नई पहल की शुरूआत की है। जनहित गारंटी योजना के अंतर्गत अब जनपद में खाद बीज उर्वरक के लाइसेंस ऑनलाइन ही जारी होंगे। आवेदक स्वयं या कॉमन सर्विस सेंटर से जनहित गारंटी योजना की साइट पर जाकर, अपना रजिस्ट्रेशन करने के उपरांत समस्त डॉक्यूमेंट को अपलोड करते हुए खाद बीज एवं उर्वरक के लिए लाइसेंस के लिए अप्लाई कर सकते हैं। लाइसेंस जारी करने के लिए प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है इसमें किसी को कार्यालय स्वयं आने की आवश्यकता नहीं है। ना ही किसी प्रकार का अभिलेख कार्यालय में जमा करना है। ऑनलाइन अप्लाई के बाद कृषि विभाग द्वारा सत्यापन के उपरांत लाइसेंस फीस ऑनलाइन जमा की जाएगी ।जिला कृषि अधिकारी डाक्टर सुबेदार यादव ने बताया कि इस ऑनलाइन की प्रक्रिया में समय की बचत होगी तथा लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी।

चेयरमैन ने गौसेवा कर सादगी से मनाया अपना जन्मदिन, किया वृक्षारोपण

अमन लेखनी समाचार

रूपईडीहा, बहराइच। सीमावर्ती नगर पंचायत रूपईडीहा के चेयरमैन डॉक्टर उमाशंकर वैश्य ने वृक्षारोपण व गौसेवा कर सादगी के साथ अपना जन्मदिन मनाया। रूपईडीहा चेयरमैन डॉ. उमाशंकर वैश्य ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुये वृक्षारोपण किया तथा नगर पंचायत रुपईडीहा अंतर्गत पचपकरी वार्ड में स्थित गौशाला में वृक्षारोपण के पश्चात गौवंशो को टीका लगाकर गुड खिलाते हुये गौसेवा कर सादगी के साथ अपना जन्म दिवस मनाया। इस दौरान उपस्थित लोगों के लिए सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था भी की गयी। इस अवसर पर रतन अग्रवाल, संजय वर्मा, अनिल वर्मा, संजय गुप्ता, सहित नगर पंचायत के सुपरवाइजर, सभासद व कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्युत कटौती से ग्रामीण परेशान एसडीओ को सौंपा ज्ञापन

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। बिजली की कटौती से परेशान एक सैकडा लोगो ने उपखण्ड अधिकारी को सौपा ज्ञापन बिजली सुचारू रूप से देने की माँग। क्षेत्र के गांव धीनाखेडा की प्रधान लक्ष्मीना देवी सहित गाँव के एक सैकडा लोगो ने उपखण्ड कार्यालय पहुंच कर ज्ञापन देते हुऐ बताया कि मौरावां फीडर से असगर गंज जो लाईन जाती है उसमे काफी कटौती की जा रही है। बिजली समय पर न आने से धान की रोपाई नही हो पा रही है ।विभाग को चाहिए कि जो बिजली दी जाये वह बराबर दी जाये बीच बीच मे न काटा जाये जिससे किसान भाई अपने खेतो मे धान की रोपाई कर सके। जिसतरह अन्य दो लोगो को बिजली दी जा रही है उसी तरह से सभी किसानों को 24 घन्टे मिले अन्यथा की स्थिति में किसान आत्महत्या को मजबूर होगा। इस अवसर पर देशराज , काली शंकर , छोटेलाल , सलीम , गुरूप्रसाद , उत्तम, रामसजीवन, राहुल ,रामनरेश , संतोष कुमार सहित एक सैकडा लोग मौजूद रहे ।उपखण्ड अधिकारी ने ज्ञापन लेते हुऐ शीघ्र बिजली दुरस्त करने का आश्वासन दिया।

स्कूटी सवार को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर खड्डे मे गिरी बस, सभी यात्री सुरक्षित

अमन लेखनी समाचार/फैजान

कैसरगंज, बहराइच। कैसरगंज थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे पर नत्थनपुर मोड़ के पास लखनऊ की ओर से आ रही एक रोडवेज बस स्कूटी सवार को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर खड्ड में गिर गई। जिससे बस पलटने से बच गयी तथा सभी यात्री बाल बाल बच गए ।इस घटना में एक दो वर्षीय बालक को हल्की छोटी आई है ।सभी यात्री सुरक्षित हैं ।सभी यात्रियों को बस से उतर कर दूसरी बस में बिठाकर गंतव्य की ओर रवाना कर दिया गया है।

जनपद के लिए 70.68 लाख पौधे रोपित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित

नोडल अधिकारी ने जिले के अधिकारियों के साथ की बैठक

पौधरोपण अभियान को सफल बनाये जाने के उद्देश्य से हुई बैठक

अमन लेखनी समाचार/संतोष मिश्रा

बहराइच। वृक्षारोपण जन अभियान 2024-25 अन्तर्गत 20 जुलाई 2024 से प्रारम्भ होने वाले पौधरोपण अभियान को सफल बनाये जाने के उद्देश्य से शासन द्वारा नामित नोडल अधिकारी/प्रमुख सचिव, वाह्य सहायतित परियोजना/विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी विभाग, उ.प्र. शासन पनधारी यादव ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक के दौरान लक्षित विभागों को निर्देश दिया कि प्रदेश में 36.50 करोड़ वृक्षारोपण लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु जिले के लिए निर्धारित लक्ष्य तक ही सीमित न रहें, विभागीय परिसम्पत्तियों में यदि पर्याप्त स्थान उपलब्ध है और वह स्थान पौधरोपण के लिए उपयुक्त है तो लक्ष्य से अधिक पौधे रोपित कराने का प्रयास करें। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने 20 जुलाई 2024 से प्रारम्भ होने वाले पौधरोपण अभियान के लिए की गई तैयारियों को विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि शासन द्वारा जनपद के लिए 70.68 लाख पौधे रोपित किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विभागवार निर्धारित लक्ष्य की जानकारी देते हुए डीएम ने बताया कि जनपद की नर्सियों में पर्याप्त संख्या में पौधे उपलब्ध हैं। वन विभाग द्वारा लक्षित विभागों को इंडेंट जारी कर दिया गया है और विभागों द्वारा पौधों का उठान भी कर लिया गया है। डीएम ने बताया कि जिले में पौधरोपण अभियान को सफल बनाने हेतु न्याय पंचायतवार नोडल अधिकारी नामित किये गये हैं। अभियान के दौरान सूचनाओं के आदान प्रदान हेतु विकास भवन में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। डीएम ने बताया कि पौधरोपण अभियान में नवीन पहल के तहत कई स्थानों पर कलस्टर के रूप में पौध रोपित कर वन के साथ-साथ 04 स्थानों पर वेट लैण्ड विकसित किये जाएंगे। डीएम ने बताया कि वृक्षारोपण अभियान का शुभारम्भ ब्लाक तेजवापुर की ग्रामसभा कटहा से होगा। जहां पर प्रदेश के कारागार राज्य मंत्री श्री राही द्वारा पौधरोपण अभियान का श्रीगणेश किया जायेगा जिसमें जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। नोडल अधिकारी ने कहा कि डीएम के नेतृत्व में जिले में बहुत अच्छी तैयारी की गई है। बैठक के दौरान लक्षित विभागों द्वारा पौधरोपण के लिए की गयी तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी। जबकि बैठक का संचालन प्रभागीय वनाधिकारी कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग बी. शिव शंकर ने किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रम्या आर, डीएफओ बहराइच अजीत प्रताप सिंह, सीएमओ डॉ संजय कुमार शर्मा, डीडीओ राज कुमार, ईओ नगर पालिका प्रमिता सिंह, उप जिलाधिकारी महसी अखिलेश कुमार सिंह, पयागपुर दिनेश कुमार, नानपारा अश्वनी पाण्डेय, सीओ पयागपुर हीरा लाल कनौजिया सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

संगठन के प्रभारी जिला महामंत्री का माल्यार्पण कर किया गया स्वागत

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ, उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष योगेश त्यागी ने जिला संयुक्त मंत्री यादवेंद्र यादव जी को प्रभारी जिला महामंत्री पद का दायित्व प्रदान किया गया है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विद्याविलास पाठक ने कहा प्रांतीय अध्यक्ष के इस कदम की सराहना की और बताया कि इससे से जिले के संगठन को मजबूत मिलेगी। इस अवसर पर संगठन के ब्लॉक संरक्षक निजामुद्दीन अंसारी, जमाल अजहर सिद्दीकी, ब्लॉक उपाध्यक्ष मोहम्मद बिलाल अंसारी, ब्लॉक मंत्री सुभाष चंद वर्मा, ब्लॉक कोषाध्यक्ष बाबूलाल मौर्य , प्रदीप कुमार, धनंजय सिंह, लाल साहब यादव, कमलेश वर्मा, जितेंद्र यादव सहित काफी शिक्षक उपस्थित रहे।

गोमती के बढ़ते जलस्तर पर एक्टिव हुआ अमेठी प्रशासन

एडीएम और एसडीएम ने गांवों का निरीक्षण किया, खतरे से 5 मीटर दूर नदी

अमन लेखनी समाचार

अमेठी जिला, अमेठी के बाजार शुकुल समेत कई इलाकों से होकर गुजरने वाली गोमती नदी में जलस्तर बढ़ने से पहले प्रशासन एक्टिव मोड में आ चुका है। आज एडीएम और एसडीएम ने गोमती नदी के किनारे स्थित गांवों का निरीक्षण कर जल स्तर बढ़ने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रशासन ने जल स्तर बढ़ने के बाद प्रभावित लोगों को शरणालय में सुरक्षित पहुंचाने के निर्देश दिए। गोमती नदी अमेठी के बाजार शुकुल समेत अन्य इलाकों से होकर गुजरती है। बारिश के बाद नदी का जलस्तर बढ़ने ने बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसी को लेकर आज गोमती नदी में जल स्तर बढ़ने की संभावनाओं को देखते हुए गोमती नदी के किनारे स्थित गांवों का आज एडीएम वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता ने एसडीएम मुसाफिरखाना प्रीति तिवारी, नायब तहसीलदार और तहसील स्टाफ और बाजार शुकुल के थाना प्रभारी के संयुक्त दल के साथ निरीक्षण किया। गोमती नदी के जल स्तर बढ़ने पर की जाने वाली आवश्यक कार्रवाई के बारे में एडीएम ने तहसील की तैयारियों का जायजा लिया। एडीएम ने नदी के निचले भाग मे रहने वाले परिवारों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए और तहसील प्रशासन को आवश्यकता पड़ने पर इन परिवारों को सुरक्षित स्थानों, जो कि शरणालय स्थल के रूप में चिह्नित हैं पर पहुंचाने के निर्देश दिए। आम लोगों को आवश्यकता पड़ने पर एसडीएम मुसाफिरखाना का फोन नंबर 9454416132 और तहसीलदार का नंबर 9454416179 पर सम्पर्क की सलाह दी है।

बाढ़ से निपटने के लिए प्रशासन अलर्ट

बलिया में एडीएम बोले – प्रभावित परिवारों को दी जा रही सहायता, गांवों की निगरानी की जा रही

अमन लेखनी समाचार

बलिया, बलिया में बाढ़ की किसी भी स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बाढ़ प्रभावित परिवारों में 14 परिवार को गृह अनुदान की धनराशि भी दी जा चुकी है। अपर जिलाधिकारी डीपी सिंह ने बताया कि वर्तमान में घाघरा नदी के बढ़े जलस्तर से बांसडीह तहसील के 38 परिवार तथा बैरिया तहसील क्षेत्र के 26 परिवार प्रभावित हैं। आवश्यकतानुसार परिवारों को जिला प्रशासन की ओर से संचालित राहत शिविर में रखा गया है। वहां दोनों समय का भोजन, स्वच्छ पेयजल, प्रकाश व्यवस्था व अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई है।

कटान से प्रभावित परिवारों में राहत की राशन कीट सामग्री वितरित की गई है।

जिलाधिकारी ने बताया कि अधिकारियों द्वारा निरंतर बाढ़ प्रभावित गांवों में निरीक्षण किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य कैंप का आयोजन एवं पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के स्वास्थ्य, टीकाकरण व चारा आदि का इंतजाम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इन प्रभावित परिवारों में 14 परिवार को गृह अनुदान की धनराशि भी दी जा चुकी है। शेष परिवार को भी देने की प्रक्रिया चल रही है।

अमरोहा में डिवाइडर से टकराकर पलटी डीसीएम

सब्जियां लेकर दिल्ली जा रहा था ड्राइवर, हाईवे पर लगा जाम

अमन लेखनी समाचार

अमरोहा, अमरोहा के रजबपुर थाना इलाके में नेशनल हाईवे-9 पर जीएमएस हॉस्पिटल के पास आज मुरादाबाद से दिल्ली जा रही एक हरी सब्जी लदी डीसीएम पलट गई। इस दौरान दिल्ली दिशा में जा रहे कई वाहन डीसीएम की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। हालांकि इस हादसे में डीसीएम में लदी हरी सब्जियां सड़क पर बिखर गईं। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने डीसीएम चालक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। इसके साथ ही हाईवे से दुर्घटनाग्रस्त डीसीएम को हटाकर यातायात को सुचारु कराया। अमरोहा के रजबपुर थाना इलाके में नेशनल हाईवे पर जीएमएस हॉस्पिटल के पास एक तेज रफ्तार सब्जी से लदी एक डीसीएम डिवाइडर से टकराकर अचानक पलट गई। इस दौरान दिल्ली हाईवे पर कई वाहन डीसीएम की चपेट में आने से बाल-बाल बच गए। हालांकि डीसीएम के पलटने से डीसीएम में लदी सब्जी सड़क पर बिखर गई। इससे हाइवे पर जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई।

पुलिस ने डीसीएम चालक को गंभीर चोट लगने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

विधायक निधि से लगाया गया महाराणा प्रताप स्मृति द्वार

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। परियर सफीपुर मार्ग स्थित जमाल नगर के समीप महाराणा प्रताप स्मृति प्रेरणा द्वार विधायक निधि द्वारा अधिष्ठापित हुआ। जिसकी क्षेत्र में प्रसंशा हो रही हैं। वहीं पासी समाज के लोगों ने महाराजा बिजली पासी, सातन पासी स्मृति प्रेरणा द्वार लगाने की भी मांग उठी। जमाल नगर गैर एहत माली प्रधान पति सर्वेश कुमार राजपूत ने बताया कि क्षेत्र में कई जगह स्मृति प्रेरणा द्वार लगाने के लिए विधायक बंबालाल दिवाकर से मिलकर प्रस्ताव रखूंगा। वहीं भाजपा नेता राघव शुक्ला ने बताया बताया कि महा राणा प्रताप स्मृति प्रेरणा द्वार लगाने से इतिहास के प्रति ध्यान आकर्षित होते हैं।

महाराजा खेत सिंह खंगार की मूर्ति अराजकतत्वों ने तोड़ी

सपा कार्यकताओं ने खंगार चौक पर किया प्रदर्शन, नई मूर्ति की मांग

अमन लेखनी समाचार

बांदा, बांदा में आरटीओ ऑफिस से आगे खंगार चौक पर स्थापित महाराजा खेत सिंह खंगार की मूर्ति को अराजकतत्व ने रात में तोड़ दिया। जिसकी वजह से लोगों में आक्रोश है। जिसे लेकर मंगलवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया और नई मूर्ति की मांग की ।मामला बांदा जनपद का है। जहां पर बीती रात खंगार चौक पर महाराजा खेत सिंह खंगार की मूर्ति को अराजकतत्वों ने तोड़ दिया। सुबह टूटी मूर्ति देख लोगो में आक्रोश भर गया। मंगलवार सुबह सपा कार्यकताओं ने मूर्ति के पास जाकर प्रदर्शन किया है। सपा विधायक विश्वंभर सिंह यादव ने बताया की महराजा खंगार एक बहादुर योद्धा थे। इनकी मूर्ति यहां पर स्थापित की गई थी, लेकिन कुछ अराजकतत्वों ने तोड़ दी। ये खंगार समाज का अपमान है, हम नई मूर्ति की स्थापना की मांग करते हैं।

संक्षेप

बीए और बीकाम प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रारंभ

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवां तहसील अंतर्गत स्थानीय दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय में नवीन शैक्षिक सत्र-2024- 25 में प्रवेश प्रारम्भ हो चुका है । प्राचार्या डॉ. तरन्नुम बानो ने बताया कि बीए एवं बीकाम प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र-छात्राएं महाविद्यालय कार्यालय से प्रवेश आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर से युवक की मौत

सीतापुर में शादी समारोह से वापस जाते समय हादसा, चचेरे भाई की हालत गंभीर

सीतापुर, सीतापुर में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। यहां शादी समारोह में शामिल होकर अपने साथी के साथ घर जा रहे बाइक सवारों को वाहन ने टक्कर मार दी। दर्दनाक हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए डॉक्टरों ने सीएचसी से गंभीर हालत देखते हुए उसे लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। घटना इमलिया सुल्तानपुर थाना इलाके की है। यहां रविवार की देर रात कोतवाली देहात क्षेत्र के कस्बा कचनार निवासी अंकित प्रजापति अपने चाचा के लड़के (चेचेरे भाई) की शादी समारोह में शामिल होकर बारात में बाइक से चेचेरे भाई सुरेंद्र के साथ आया था। इमलिया क्षेत्र के ग्राम एलगांव से जब बारात में शामिल होकर घर के लिए निकला तो लखीमपुर-हरगांव मार्ग पर बन रहे ओवरब्रिज के पास किसी तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक पूरी तरफ से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में बाइक सवार अंकित की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सुरेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेजकर घायल को सीएचसी में भर्ती कराया।

जौनपुर में पुल के पिलर का मरम्मत कार्य बंद

जौनपुर, जौनपुर के वाराणसी-लखनऊ नेशनल हाईवे पर बने नए पुल के पिलर में आई दरार का मरम्मत कार्य बंद होने के बाद भी वाहनों का डायवर्जन अभी भी जारी है। बताते हैं कि बीते सात जुलाई की रात वाराणसी से जौनपुर की तरफ जाने वाले नए पुल के पांचवें पिलर में दरार होने का मामला प्रकाश में आया था। उसी रात में कार्यदायी संस्था जीपीएल की तरफ से बड़ी संख्या में मजदूरों को लगाकर मरम्मत कार्य शुरू करा दिया गया था। वाराणसी से जौनपुर की तरफ जाने वाले वाहनों को बीबनमऊ गेट के पास से जौनपुर से वाराणसी की तरफ जाने वाली रुट पर मार्ग परिवर्तित किया गया है। बताते हैं कि पुल का निर्माण करीब चार साल पूर्व हुआ था। फोरलेन चालू होने के साथ इसे करीब दो साल पहले विधानसभा चुनाव से पूर्व इसे चालू कराया गया था। वर्ष 90 के दशक चालू पुराना पुल सई सेतु आज भी बहुत मजबूत है। इसमें कोई शिकायत नहीं आयी है। इस पर जौनपुर से वाराणसी की तरफ वाहन जाते हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जन जागरूकता का आयोजन

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/जनपद न्यायाधीश तेज प्रताप तिवारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को लिंग चयन और लिंग निर्धारण के निषेध पर जन जागरुकता एवं कन्या भ्रूण हत्या और बालिकाओं के प्रति भेदभाव तथा बेटी बचाओ और बेटी को शिक्षित करो तथा महिला सशक्तिकरण और महिला कल्याण के लिए सरकारी योजनाएँ विषय पर विधिक साक्षरता / जागरूकता शिविर का आयोजन तहसील सहजनवा के सभागार में किया गया। इस दौरान सचिव,जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विकास सिंह, सीजीएम त्रिस्ती श्रीवास्तव, उपजिलाधिकारी सहजनवाँ, दीपक गुप्ता सीओ गीडा अनुराग सिंह,नायब तहसीलदार दुर्गेश चौरसिया,बार अध्यक्ष केके तिवारी,मंत्री राधवेंद्र सिंह सहित अनेक लोग मौजूद थे।

पुराने विवाद को लेकर घर में घुस कर पीटा, मुकदमा दर्ज

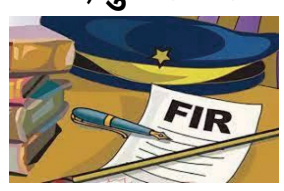

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के गोविंदपुर निवासी पप्पू निषाद। पुत्र शोहरत निषाद के पड़ोस से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। उसी बात को को लेकर 17 जुलाई को रात्रि में 8.30 बजे विवाद का कारण पूछने विपक्षी के घर पर गया। तो विपक्षी गाली गलौज करते हुए लोहे के रॉड से हमला कर सिर फोड़ दिए। पीड़ित किसी तरह भाग कर घर आया तो आरोपी घर पर चढ़ गए। घर में घुसकर पत्नी नीता, मां सीचना देवी, को मारपीट कर घायल कर दिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी आशीष, अजय, फेकू,कविता, फेकू की पत्नी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र में खाद्य प्रसंस्करण जागरूकता शिविर संपन्न

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र, चौकमाफी पीपीगंज में तीन दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण के महत्व, तकनीकों और सरकारी योजनाओं से अवगत कराना था शिविर में दिग्विजय नाथ इंटर कॉलेज की छात्राओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण युवक-युवतियों ने भाग लिया। शिविर का शुभारंभ केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सिंह ने किया। उन्होंने खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भारत की प्रगति और रोजगार की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला।डॉ. श्वेता सिंह, गृह वैज्ञानिक ने खाद्य प्रसंस्करण के महत्व, विभिन्न प्रसंस्करण तकनीकों और घरेलू स्तर पर खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने की जानकारी दी। प्रशिक्षणार्थियों को आम का जैम, स्कवैश और अचार बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।शिविर के समापन पर 40 प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

तालाब में नहाने गए युवक कि डूबने से मौत

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। सहजनवा थाना क्षेत्र के ग्राम भीटी रावत में गुरूवार शाम को गांव के बगल ताल में नहाने गया किशोर डूब गया था।ताल से 22घंटे बाद शव बरामद हुआ।शव मिलते ही कोहराम मच गया।सहजनवां थाना क्षेत्र के ग्राम भीटी रावत निवासी नितीश कुमार (16) पुत्र शिव शंकर शाम को अपने मित्रों के साथ गांव के बगल में ताल में नहाने गया था।गहरे पानी में जाने से डूब गया था।सुबह से एसडीआरएफ व गोताखोर तलाश कर रहें थे।पिता शिव शंकर व ग्रामीणों ने बताया अवैध खनन के कारण ताल गहरा हो गया है।दिन में दो बजे ताल से किशोर का शव बरामद हुआ।शव बाहर आते ही कोहराम मच गया परिवारीजनों का रो रो कर बुरा हाल है।पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष विशाल उपाध्याय ने कहां शव को पीएम के लिए भेजा गया है। इस संबंध में सहजनवा एसडीएम दीपक गुप्ता ने कहां आपदा के तहत शासन से मिलने वाली राशि दी जायेगी।जिसके लिए पीएम रिपोर्ट का होना आवश्यक है।

छत पर गिरी आकाशीय बिजली कोई हताहत नहीं

अमन लेखनी समाचार

गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र के भैंसहिया चौराहे पर स्थित एक मकान के छत के उपर गुरुवार को शाम साढ़े आठ बजे के करीब गरज तड़क के साथ हो रही बारिश के समय बसंत प्रजापति के मकान के छत के उपर तड़तड़ाहट के साथ आकाशिय बिजली गिरी लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ है, परिवार के लोग सहम गए, घर से बाहर निकल गए।छत के उपरी हिस्से में होल हो गया है।

जनपद में एक वृक्ष मां के नाम के तहत वृक्षारोपण का चला अभियान

अमन लेखनी समाचार /शोभित शुक्ला

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद में उर्मिला सामाजिक जन कल्याण सेवा समिति फतेहपुर द्वारा राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई सिविल लाइन फतेहपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रधानाचार्य आशीष कुमार केसरवानी व समिति के सचिव अनुज कुमार श्रीवास्तव द्वारा वृक्षारोपण किया गया ₹पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ₹ जन अभियान-2024 के अंतर्गत आज ₹एक वृक्ष मां के नाम₹ वन महोत्सव-2024 का शुभारंभ विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर किया गया। इस अवसर पर बच्चों को पौधों का वितरण किया गया। समिति के सचिव अनुज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पर्यावरण और जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है इससे हमें ऑक्सीजन के साथ-साथ छाया भी मिलती है और उन्होंने लोगों से अपील किया कि एक पौधा जरूर लगाए पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए पौधा लगाना जरूरी है इससे वातावरण सुंदर व स्वच्छ रहेगा और शुद्ध हवा मिलेगी इसके लिए हम सभी का दायित्व है कि एक-एक पौधा अवश्य रोपित करें साथ ही संरक्षण भी करें इस अवसर पर कार्यदेशक प्रमोद कुमार शिवाकांत बलवीर प्रबल आदि मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन मे किया वृक्षारोपण

अमन लेखनी समाचार/शोभित शुक्ला

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जनपद में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक फतेहपुर द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन में परेड का निरीक्षण किया गया और पीटी करायी गई। तत्पश्चात पुलिस लाइन परिसर में भ्रमण कर परिवहन शाखा, बैरक, डायल 112 की साफ-सफाई आदि का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा - निर्देश दिए गये। इसी क्रम में पुलिस लाइन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम के दौरान कई फलदार व छायादार वृक्ष लगाए गए पुलिस अधीक्षक फतेहपुर उदय शंकर सिंह ने कहा कि वृक्ष धरा का आभूषण है, इसके बिना धरातल पर जीवन संभव नहीं है। इसलिए हर व्यक्ति का यह कर्तव्य बनता है कि वह अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनकी निरंतर देखरेख करें।

सोनभद्र में 35 फीट गहरे कुएं में गिरे दो युवक

फाइटिंग पेंटा सेफ टीम ने सुरक्षित निकाला बाहर, लोगों ने सराहा

अमन लेखनी समाचार

अनपरा, सोनभद्र के अनपरा थाना क्षेत्र अंतर्गत परासी गांव के लक्ष्मण नगर वार्ड-13 में स्थित कुएं में गिरे युवक को बचाने के दौरान पैर फिसलने से एक और युवक कुएं में गिर गया।हिण्डाल्को रेनुसागर पावर डिविजन की फायर फाइटिंग की पेंटा सेफ टीम ने दोनों युवकों को कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर कुएं से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। परासी गांव के लक्ष्मण नगर वार्ड निवासियों ने बताया 55 फीट गहरे कुएं में एक युवक गिर गया था। उसे बचाने के प्रयास में एक और युवक जा रहा था कि पैर फिसलने से वह भी कुंए में जा गिरा। घटना की सूचना अनपरा नगर पंचायत कलक्ष्मण नगर के सभासद रामनरेश यादव ने ग्रामीण विकास विभाग रेनुसागर के प्रभारी अनिल झा को दिया।

इसके बाद हिण्डाल्को के यूनिट हेड आरपी सिंह के निर्देशन में फायर फाइटिंग की पेंटा सेफ टीम ने आनन-फानन में कुएं में गिरे दोनो युवकों सुरज विश्वकर्मा पुत्र गंगा विश्वकर्मा व रामप्रकाश पुत्र स्व.नान्हू को कड़ी मशक्कत के बाद कुंए से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। अनपरा नगर पंचायत के लक्ष्मण नगर वासियों ने पूरी टीम को इस कार्य के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

मेरठ में रिश्वत लेते आरईएस का जेई अरेस्ट

40 हजार रुपए लेते एंटी करप्शन की टीम ने पकड़ा, पेमेंट रिलीज करने को मांगा पैसा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ, मेरठ में फएर, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा के जेई धीरज कुमार को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। जेई ने 40 हजार रुपए की रिश्वत ली थी। एंटी करप्शन की टीम आरोपी को सिविल लाइन थाने लाई है। जहां मुकदमा लिखा गया है। टीम ने जूनियर इंजीनियर को कचहरी के सामने अंबेडकर मूर्ति के सामने रिश्वत लेते पकड़ा है। शिकायतकर्ता पुनीत जिंदल है। पुनीत जिंदल आरईएस पीआईओ मेरठ में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत ठेकेदारी करते हैं। पुनीत ने एंटी करप्शन की टीम से जेई के खिलाफ शिकायत की थी। पुनीत ने बताया कि मैंने सड़क बनाई थी। इस समय सड़क की देखरेख का समय चल रहा था। इस प्रोजेक्ट में मेरा अंतिम छमाही का लगभग 5 लाख 44 हजार रुपए बकाया था। इस पेमेंट को रिलीज कराने के नाम पर मुझसे 40 हजार रुपए मांगे गए। मुझसे अवर अभियंता धीरज कुमार ने 40 हजार रुपयों की मांग की थी। पुनीत ने बताया कि अवर अभियंता धीरज ने पहले फोन पर पैसे मांगे, बाद में व्हाट्सएप भी किया। इसके बाद मैंने 13 जुलाई को एंटी करप्शन की टीम को शिकायत कर दी।

आज मंगलवार को कचहरी गेट के सामने बाबा साहब आंबेडकर की मूर्ति के पास पैसे देने के लिए बुलाया था। वहां एंटी करप्शन की टीम ने उनको पकड़ लिया। मैंने कहा कि जो मेरा बकाया पेमेंट है उसके एवज में ये रकम बहुत ज्यादा है। नहीं दे पाऊंगा लेकिन वो नहीं माने और मैसेज करके पैसा मांगा। पुनीत ने कहा कि काफी समय से ये मामला चल रहा था। कहा जेई बहुत ही भ्रष्ट है। पुनीत ने आगे कहा कि विभाग में जो अधिशासी अभियंता वाई एन चौधरी है वो काफी भ्रष्ट है। वो पहले गौतमबुद्ध नगर में भी भ्रष्टाचार मामले में फंस चुके हैं। उस पर विजिलेंस जांच भी चल रही है। कुछ दिन पहले ही वो गौतबुद्धनगर से मेरठ ट्रांसफर होकर आए हैं। कहा कि गौतमबुद्धनगर में भ्रष्टाचार में हटने के बाद अब वाई एन चौधरी ने मेरठ में दोबारा भ्रष्टाचार शुरू कर दिया। पुलिस ने सिविल लाइन थाने में अवर अभियंता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

सोनभद्र पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोपी को किया गिरफ्तार

3 लाख 44 हजार रुपए खाते से किया था गायब, टिकट खरीद रहा था पीड़ित

अमन लेखनी समाचार

दुद्धी, सोनभद्र के दुद्धी कस्बा के एक व्यवसायी से जनवरी में हुए 3 लाख 44 हजार के धोखाधडी का साइबर क्राइम पुलिस ने आज खुलासा किया है। पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके पास से दो एंड्रॉयड और एक कीपैड डिवाइस बरामद किया है। पीड़ित संदीप अग्रवाल ने बताया कि मुंबई जाने के लिए टिकट की इंक्वारी कर रहे थे। इसी दौरान टिकट लेने संबंधी डॉक्यूमेंट टिकट बनाने वाले ने मांगा तो मैने उसे भेज दिया। इसके बाद उसने ओटीपी भी मांगा वो भी मैंने दे दिया तभी मेरे खाते से 3 लाख 44 हजार निकल गए। तब मुझे पता चला कि मैं साइबर फ्रॉड का शिकार हो गया हूं। तत्काल मैंने इसकी शिकायत 12 जनवरी को ऑनलाइन किया था, थाने पर भी जाकर बताया था। पुलिस ने धोखाधड़ी का खुलासा करते हुए बताया कि दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के वार्ड नंबर 2 के निवासी संदीप अग्रवाल पुत्र विजय कृष्ण अग्रवाल ने12 जनवरी को साइबर क्राइम पुलिस थाना सोनभद्र में प्रार्थना पत्र देकर स्वयं के खाते से 3 लाख 44 हजार रूपए की धोखाधड़ी के सम्बन्ध में शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके अनावरण और अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, डॉ यशवीर सिंह द्वारा साइबर क्राइम पुलिस थाना की एक टीम गठित की गयी। शातिर अपराधी की पूरी जानकारी इकट्ठा करने के बाद अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए जनपद नालन्दा बिहार गठित टीम भेजी गयी।

जौनपुर में डूबे किशोर की मिली लाश

पुलिस जांच में जुटी, चौकी प्रभारी मौके पर मौजूद

अमन लेखनी समाचार

जौनपुर, जौनपुर के जफराबाद थाना क्षेत्र के जमैथा गांव के शिवपुर पुरवा के पास गोमती नदी में एक 15 वर्षीय किशोर की लाश मिली है। किशोर की लाश देख हडकंप मच गया। घटना की सूचना पर थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव और चौकी प्रभारी ईश्वरचन्द्र त्रिपाठी मय फोर्स मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से लाश को नदी से बाहर निकलवाया। मौके पर चर्चा होने लगी कि एक युवक सोमवार की दोपहर को नगर के सदभावना पुल के पास डूब गया था। यह जानकारी होते ही थानाप्रभारी जयप्रकाश यादव ने राज कॉलेज चौकी प्रभारी के जरिए किशोर के घर वालों को सूचना दी। किशोर के परिजन हालांकि उसी समय पहुंच गए। उन्होंने उसे पहचान लिया।

बुलंदशहर में गंगा के बढ़ते जलस्तर पर प्रशासन अलर्ट

डीएम ने अफसरों से लिया स्थिति का जायजा, पहले से अलर्ट रहने के निर्देश

अमन लेखनी समाचार

बुलंदशहर, बुलंदशहर में डीएम ने कलक्ट्रेट में बैठक की। लगातार हो रही बारिश से गंगा का जल स्तर बढ़ने से आने वाली बाढ़ की रोकथाम और प्रभावित क्षेत्र में आमजन की सुविधा के लिए की गईं तैयारियां देखीं। बैठक में जिले की तीन तहसील स्याना, अनूपशहर, डिबाई के गंगा किनारे के गांव में गंगा का जल स्तर बढ़ने से पानी आ जाने से उसकी रोकथाम करने, विभागों द्वारा कराए जाने वाले कामों की विस्तार से समीक्षा की गई। मुख्यालय पर कंट्रोल रूम संचालित कर दिया गया है। निर्देशित किया गया कि बाढ़ से आमजन को ज्यादा हानि न हो इसके लिए सभी तैयारी पहले से कर ली जाए। बाढ़ चौकी, नाव, गोताखोर की व्यवस्था कर लें। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा स्वास्थ्य केंद्रों और लगाए जाने वाले शिविरों में पर्याप्त मात्रा में जीवनरक्षक दवाओं, बैंड, एंबुलेंस, चिकित्सीय स्टाफ की तैनाती की जाए। कृषि विभाग द्वारा फसलों को कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक दवाएं उपलब्ध कराई जाए। पशु पालन विभाग को निर्देश दिए गए कि पशुओं में मुंह पका, खुरपका एवं अन्य बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण करने, पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था करें। बिजली विभाग के द्वारा बिजली तारों की मरम्मत और आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। खाद्य और रसद विभाग के द्वारा खाद्यान राहत सामग्री की व्यवस्था की जाएगी। बाढ़ को लेकर संवेदनशील स्थानों पर निरीक्षण कर गांवों में जागरूकता के लिए मुनादी और राहत चौपाल की जाए। बनाए जाने वाले राहत शिविरों में शासन के निदेर्शानुसार जो भी व्यवस्था होनी है

हैंडपंप खराब होने से ग्रामीणों को पेयजल किल्लत

अमन लेखनी समाचार

कुरारा, हमीरपुर। विकास खंड क्षेत्र के उमराहट गांव में हैंडपंप खराब होने से ग्रामीणों को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने हैंड पंप ठीक कराए जाने की मांग की है। क्षेत्र के उमराह ट गांव निवासी बाबूराम, राम अवतार, धर्मेंद्र निषाद ,अजय कुमार आदि ने बताया कि गांव में बाबूराम के मकान के सामने लगा हैंड पंप खराब हो गया है। जो कि पानी नहीं दे रहा है। दूसरा रामवतार के दरवाजे लगा हुआ है। वह भी खराब हो गया है। जिससे मोहल्ले के लोगो को पेयजल किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। पानी भरने के लिए दूर जाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने खंड विकास अधिकारी से इन हैंड पंप को ठीक कराए जाने की मांग की है।

आकाशीय बिजली गिरने से भैंस की दर्दनाक मौत

अमन लेखनी समाचार

कुरारा, हमीरपुर।थाना क्षेत्र के गिमूहा ग्राम पंचायत में दोपहर में हुई बरसात के साथ आकाशीय बिजली गिरने से किसान की भैंस की दर्दनाक मौत हो गई। दोपहर में तेज बारिश के साथ आकाश में तेज गर्जना हो रही थी। तभी क्षेत्र के गिमुहा गांव में बेतवा नदी के किनारे खेत में चर रही भैंस आकाशीय बिजली की चपेट मे आ गई। जिसकी मौके पर मौत हो गई है। गांव निवासी किसान देव सिंह पुत्र बलोतनयादव ने बताया कि मैं दूर था। तभी तेज गर्जना के साथ भैंस के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गई। जिसकी मौके पर मौत हो गई है।

शांति भंग करने के आरोप में मुकदमा दर्ज

अमन लेखनी समाचार

कुरारा, हमीरपुर।थाना क्षेत्र के गिमुहा गांव निवासी करिया उर्फ धनीराम पुत्र हरलाल, भूप सिंह, कप्तान सिंह, रोहित यादव, पुत्रगण करिया उर्फ धनीराम, तथा जगरूप उर्फ पु तना, टीर्रा पुत्रगण कुंदन, तथा उपदेश पुत्र रामधनी तथा जल्ला गांव निवासी बर्रा सिंह पुत्र रामचरण, देवकरण पुत्र बाबा दीन, बीर सिंह पुत्र बाबादीन, बच्चू पुत्र मइका , जगरूप पुत्र दीबिया, संग्राम सिंह पुत्र जगरूप सहित सभी आरोपियों का शांति भंग करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। सभी का चालान किया गया है।

क्षेत्र पंचायत की बैठक में आठ करोड़ के विकास कार्यों को मंजूरी

विकास कार्यों में छोटी संसद "क्षेत्र पंचायत" की भूमिका अहम : केएल शर्मा

अमन लेखनी समाचार

तिलोई, अमेठी । सिंहपुर ब्लॉक सभागार में शुक्रवार को क्षेत्र पंचायत की बैठक आयोजित की गई।बैठक में आठ करोड़ से अधिक के विकास कार्यों पर चर्चा हुई।बैठक की कार्यवाही गत वर्ष की बैठक की कार्यवाही के अनुमोदन के साथ हुई। क्षेत्र पंचायत की बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद किशोरी लाल शर्मा एवं एमएलसी शैलेंद्र सिंह ने लोगो को संबोधित किया। सांसद किशोरी लाल शर्मा ने कहा कि गांव के विकास में क्षेत्र पंचायत के बैठक की भूमिका अहम है।उन्होंने कहा कि क्षेत्र पंचायत की बैठक में प्रतिनिधियों को अवश्य आना चाहिए। ब्लॉक प्रमुख अंकित पासी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि क्षेत्र पंचायत के द्वारा गांव स्तर पर अनेक प्रकार के विकास कार्य करवाए जाते हैं अगर कही नाली ,खडंजा आदि की जरूरत है तो प्रतिनिधि क्षेत्र पंचायत की कार्य योजना में मांग दर्ज करा सकता है।बैठक में सहायक विकास अधिकारी कृषि डॉ पवन वर्मा ने लोगो को कृषि विभाग की योजनाओं के बारे में बताया। कहा कि किसानो को रागी, ज्वार, बाजरा , उडद, मूंग, अल्हार इत्यादि बीजों का वितरण निशुल्क किया जा रहा है। पशु पालन विभाग की ओर से डॉ लवकुश नाग ने ,स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र, पंचायत विभाग की ओर से राजेश कुमार ,जल निगम विभाग की ओर से जेई आरके यादव समेत अन्य अधिकारियों ने अपने अपने विभाग से संबंधित जानकारी दी। बीडीओ डॉ आकांक्षा सिंह ने सभी प्रतिनिधियों से विकास कार्यों के प्रस्ताव मांगे एवं योजनाओं को बताते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। बैठक में एमएलसी छाए रहे।

बैठक में जल निगम विभाग के जेई आरके यादव लोगो को जल निगम विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी दे रहे थे उसी दौरान लोगो ने पाइप लाइन बिछाने के दौरान खराब हुई सड़को को लेकर नाराजगी जाहिर की ।एमएलसी शैलेंद्र सिंह ने जेई को समय खराब हुई सड़को एवं खडंजो को 15 दिनो के अंदर ठीक कराने के निर्देश दिए। एमएलसी ने ग्राम प्रधानो से कहा कि जब तक खराब पड़े खड़ंजे एवं सड़के जल निगम विभाग सही न करवाते तब तक ठेकेदार द्वारा कार्य पूर्ण कराने के संस्तुति पत्र पर हस्ताक्षर न करे ।एमएलसी शैलेंद्र सिंह ने बैठक में उद्यान विभाग की ओर से कोई अधिकारी न होने पर नाराजगी जाहिर की ।प्याज का बीज वितरण न होने को लेकर एमएलसी ने मामले की शिकायत सीडीओ सूरज पटेल से फोन पर की ।एमएलसी शैलेंद्र सिंह ने कहा कि अन्य जनपदों में बीडीसी के समान ग्राम प्रधानों को भी क्षेत्र पंचायत की बैठक का भत्ता मिलता है। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधानों को भी बैठक का भत्ता दिलाने उनके बैंक खाते पर भेजा जाए ।एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बीडीओ से कहा कि ब्लॉक मुख्यालय पर सरकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार एवं जानकारी के लिए शिला पट्ट लगवाया जाए। ब्लॉक मुख्यालय पर शिला पट्ट लगने से लोगो को योजनाओं की जानकारी में आसानी होगी।

कई विभागों के प्रतिनिधि बैठक में रहे गैरमौजूद- बैठक में उद्यान विभाग ,पुलिस विभाग ,राजस्व विभाग ,सिंचाई विभाग समेत अन्य कई विभागों के प्रतिनिधि मौजूद नहीं रहे ।जिसको लेकर सांसद एवं एमएलसी ने नाराजगी व्यक्त की। बैठक में कौशलेंद्र सिंह ,नवीन श्रीवास्तव, एड़ीओ पंचायत, हरिशंकर सिंह, गौरव श्रीवास्तव, सत्य नारायण सिंह समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

टैक्टर पलटने से युवक की मौत

अमन लेखनी समाचार

मुसाफिर खाना, अमेठी ।भाले सुल्तान शहीद स्मारक थाना क्षेत्र अंतर्गत मवई गांव में खेत की जुताई कर वापस लौट रास्ते में समय अनियंत्रित ट्रैक्टर पलट गया ।जिसके नीचे दबकर युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई ।वही एक अन्य घायल हो गया ।सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी।

शुक्रवार की दोपहर करीब में नारा अढनपुर के मवई के पूरे दुखछोर गांव निवासी धनंजय चौरसिया पुत्र ढोंढे चौरसिया अपने स्वराज टैक्टर से खेत की जुताई करने गया था ।जुताई कर वापस लौटते समय रास्ते में खाई पर चढ़ाते हुए ट्रैक्टर पलट गया जिससे टैक्टर पर बैठे आंसू चौरसिया व राम शरण घायल दब गए ।दूसरे ट्रैक्टर की सहायता से दोनो को बाहर निकाला गया किंतु तब तक आंसू की उसके नीचे दबकर दर्दनाक मौत हो गई ।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया ।सूचना पर पहुंची भाले सुल्तान शहीद स्मारक पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के साथ भेजवा कर आवश्यक कार्यवाही शुरू कर दी है। मृतक चार भाइयों में सबसे छोटा था और अविवाहित था।

गुरु गीता एवं पंचकुण्डीय गायत्री महायज्ञ आयोजित

अमन लेखनी समाचार

जामों ,अमेठी । ईश्वर की विशेष अनुकम्पा पाने के लिए प्रसन्नता एवं सहायता प्राप्त करने के लिए हमें ईश्वर का आज्ञाकारी धर्म परायण होना चाहिए । प्रत्येक प्राणी में भगवान व्याप्त हैं इसलिए हमें हर किसी के साथ सज्जनता का व्यवहार करना चाहिए पाप से बचना चाहिये क्योंकि पाप करना अपने ईश्वर के साथ ही दुर्व्यवहार करना है। कर्म का फल ईश्वरीय विधान का अंग है इसलिए सत्कर्म करें और सुखी रहे ।दुष्कर्मों से बचें ताकि दुख न सहन करना पड़े यह भावनाएं एवं मान्यताएं जिसके मन में जितनी ही गहरी जमी होगी जो इन्हीं मान्यताओं के अनुरूप अपनी रीति नीति बना रहा होगा वह उसी अनुपात में आस्तिक कहा जाएगा और आस्तिक मनुष्य को पग पग पर उत्कृष्ट स्तर के आनंद उल्लास संतोष एवं गौरव का अनुभव होता है ।स्वर्ग और नरक कहीं और नहीं इसी धरती पर है ।व्यक्ति को अपने कर्मों के आधार पर उसे भोगना होता है यह बातें पूरे छत्ता सिंह गोरियाबाद में शांतिकुंज हरिद्वार से आए हुए टोली नायक बनवारी लाल शर्मा ने व्यक्त की।अजीत प्रताप सिंह, पवन कुमार सिंह, अक्षय प्रताप सिंह के संयोजकत्व में आयोजित गुरु गीता एवं पंचकुण्डीय गायत्री महायज्ञ में सैकड़ो लोगों ने आहुतियां प्रदान की। यज्ञ की महिमा का गान टोली के सदस्यों भास्कर तिवारी, राम शंकर, उदय श्रीवास्तव ने किया । इस अवसर पर जयकरन तिवारी, राज बख्श सिंह, मनोज गुप्ता, कौशल किशोर वैश्य, समर बहादुर सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन के अवसर पर सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए जिला समन्वयक डॉक्टर त्रिवेणी सिंह ने 18 से 22 मार्च 2025 में अमेठी में आयोजित 251 कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में भागीदारी के लिए सभी को आमंत्रित किया और जामों ब्लॉक के प्रत्येक गांव को देवगांव बनाने के लिए आह्वान किया। देवगांव से पूजित मिट्टी से उन 251 कुण्डों में एक कुंड बनाया जाएगा जहां उसे देवगांव के 24 साधक जोड़े, 24 युवा दंपत्ति, 24 देव कन्याएं, 24 युवा यज्ञ करेंगे और जीवन में कभी भी नशा न करने अपने जन्मदिन विवाह दिन पर पेड़ लगा करके तैयार करने भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाने का संकल्प लेंगे ।

यज्ञ बहादुर अध्यक्ष व रणजीत बनें नगर मंत्री

अमन लेखनी समाचार

घोरावल सोनभद्र। अखिल भारतीय विधार्थी परिषद के नगर कार्यलय में नगर कार्यकारिणी गठन के कार्यक्रम का आयोजन किया गया प्रांत कार्यकारिणी सदस्य ललितेश मिश्र ने कहा कि विधार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा राष्ट्रवादी छात्र संगठन हैं जो समय समय पर कार्यकारिणी विस्तार के माध्यम से नवीन कार्यकताओं को दायित्व प्रदान करता है विभाग संयोजक शशांक मिश्र ने कहा कि राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ हम सब को कार्य करना चाहिए हमारा उद्देश्य सदैव राष्ट्र कि सेवा होनी चाहिए विधार्थी परिषद सदैव राष्ट्रहित मे कार्य करने वाला संगठन है जो छात्र हितों के लिए सदैव तत्पर रहता है विभाग संयोजक शशांक मिश्र ने समस्त कार्यकारिणी को भंग करते हुए मनोज कुमार को चुनाव अधिकारी नियुक्ति किया चुनाव करते हुए यज्ञ बहादुर को नगर अध्यक्ष व रणजीत सिंह पटेल को नगर मंत्री चुना गया

मेरा घर आप का घर है : के एल शर्मा

अमन लेखनी समाचार

अमेठी । सांसद किशोरी लाल शर्मा अपने तीन दिवसीय दौरे के आज दूसरे दिन जगदीशपुर विधानसभा के कार्यकताओं व विभिन्न संगठनो के सथ बी एच ई एल गेस्ट हाउस जगदीशपुर में बैठक की जनसुनवाई के दौरान अधिकतर समस्याएं बिजली को लेकर रही सांसद ने सभी समस्याओं के निस्तारण शीघ्र कराने का आश्वासन देते हुए आए हुए सभी लोगों के साथ एक-एक लोगों से मिलकर बातें की .भेल अतिथि गृह से निकलकर बहुआ में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद अजहर के घर पर उपस्थित सैकड़ो लोगों को संबोधित करते हुए के एल शर्मा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चुनाव में मैं इस गांव में नहीं आ पाया था लेकिन इस गांव के लोगों ने अच्छी जीत दिलाकर आपने अपना और गांधी परिवार के रिश्ते को बड़ा सम्मान दिया है सांसद श्री शर्मा ने संबोधन में कहा कि मेरी राजनीतिक सेवा की शुरूआत इसी ब्लॉक से हुई थी आप सबके लिए दरवाजे 24 घंटे खुले हैं गौरीगंज कार्यालय पर समस्या के निदान के लिए कभी भी आ सकते हैं दिल्ली का आवास अभी तक मिला नहीं है वह भी आप लोगों का ही है आप लोग ही रहेंगे। जब दिल्ली जाएंगे तो आप लोगों के रहने के लिए ही होगा। बहुआ, मत्तेपुर, भीखीपुर राजा फत्तेपुर सिंहपुर में जगह-जगह सांसद किशोरी लाल शर्मा का लोगों ने खूब स्वागत किया दोपहर 12:30 बजे सांसद क्षेत्र पंचायत की बैठक ब्लाक कार्यालय सिंहपुर पहुंचे। सांसद संसदीय क्षेत्र अमेठी रायबरेली भ्रमण कार्यक्रम की तहत दोपहर 1:30 बजे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम सलोन विधानसभा के डीह रवाना हुए । कार्यक्रम में सिंहपुर तिलोई के ब्लॉक /न्यायपंचायत ग्राम सभा अध्यक्ष, जिला कमेटी वरिष्ठ कांग्रेस जनों सहित जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल, राकेश मिश्रा, जिला प्रवक्ता अनिल सिंह, मो मतीन, राम प्रसाद गुप्ता, मो अजहर, सरोस हैदर, अजहरूल हक, रामकेवल पासी, दिलीप जायसवाल, वरिष्ठ कांग्रेस जन मौजूद रहे।

निःशुल्क बीज वितरित किया

अमन लेखनी समाचार

तिलोई, अमेठी , राजकीय बीज भंडार सिंहपुर में शुक्रवार को केंद्र प्रभारी डॉ पवन वर्मा ने किसानो को रागी, ज्वार, बाजरा, उडद, अलहर, मूंग आदि का निशुल्क बीज वितरित किया। किसान राजेंद्र सिंह, हरिनाथ ,तेज नारायण मिश्र ,कमलेश ,भगवानदीन ,दिनेश कुमार, अशोक कुमार सिंह, जंग बहादुर आदि को बीज वितरित किया गया।

दो ट्रकों की सीधी भिडंत में लगी भयंकर आग, दो चालकों की जलकर मौत, दो घायल

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। सदर कोतवाली इलाके के राठ तिराहे में दो ट्रकों की सीधी भिडंत में भयंकर आग लग गयी। जिसमें ट्रकों के दोनों ड्राइवरों की जलने से मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन करके दोनों ट्रकों के खलासियों को बाहर निकालकर इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एक खलासी को कानपुर रिफर किया गया है। कई घंटो की कड़ी मशक्कत के बाद आधा दर्जन फायर बिग्रेड की गाड़ियों की मदद से दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया है।

कोतवाली प्रभारी ने बताया है कि मध्य रात्रि में कोतवाली क्षेत्र के राठ तिराहा के पास दो ट्रकों में आपस में टक्कर होने से आग लग गई थी। इस सूचना पर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज हेतु जिला अस्पताल हमीरपुर भिजवाया गया है। ट्रक में सवार दो व्यक्तियों की जलकर मौके पर मौत हो गई है जो ट्रक के चालक बताये गये हैं। जिनका नाम पता अज्ञात होने के कारण पहचान का प्रयास किया जा रहा है। घटना में घायल खलासी शिववरदानी पुत्र शिवनाथ कुशवाहा निवासी इटरा थाना घाटमपुर व नीरज पुत्र रामकिशोर पांडेय निवासी बिधूनी कानपुर को इलाज हेतु जिला अस्पताल भेजा गया था। जहां नीरज पांडेय को कानपुर रिफर कर दिया गया है। पुलिस बल व फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाकर दोनों ट्रकों को सड़क से हटवाकर यातायात आवागमन बहाल करवा दिया गया है। पुलिस द्वारा दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिये शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है। अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई प्रचलित है।

छपा मारकर छत्तीसगढ़ की युवती सहित दो युवकों को संदिग्ध हालत में दबोचा

मांचा के रहने वाले है संदिग्ध युवक

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने सुमेरपुर कस्बे के रामनगर में छापामार कर एक मकान से एक युवती तथा दो युवकों को संदिग्ध हालत में पकड़ा है। जबकि एक युवक पुलिस का छापा पड़ते ही मौके से भाग निकला। सुमेरपुर कस्बे के रामनगर मोहाल के एक मकान में कुछ युवक एक युवती को लेकर करीब एक सप्ताह से ठहरे हुए थे। युवकों की गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत होने पर गुरुवार की देर शाम कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सूचना के बाद इस मकान पर छापा मारा और यहां से छत्तीसगढ़ निवासी एक युवती के अलावा मौदहा कोतवाली के मांचा गांव निवासी मुशर्रफ व शाहिद अली को मौके से हिरासत में लिया। जबकि राजा नाम का एक युवक पुलिस का छापा पड़ते ही मौके से भाग निकला। पुलिस ने बरामद युवती को रात में ही वन स्टाप सेंटर भेज कर छत्तीसगढ़ पुलिस को सूचित किया है। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि युवती के परिजनों को सूचित किया गया है। परिजन स्थानीय पुलिस को लेकर वहां से रवाना हो चुके हैं। उनके आने के बाद ही इस मामले का पदार्फाश होगा।

नामांकन पत्र बिक्री के कार्य शुरू

अमन लेखनी समाचार

कुरारा, हमीरपुर।विकास खंड क्षेत्र के भौली ग्राम पंचायत में ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए दस वार्ड मेंबर के लिए नामांकन पत्र बिक्री के कार्य शुरू हो गया है। आज एक नामांकन पत्र बिक्री हुई। वही बीडीसी सदस्य पद के एक पद के लिए दो दिन में एक भी नामांकन पत्र की बिक्री नहीं हुई है। क्षेत्र के भौली गांव में ग्राम पंचायत के ग्राम पंचायत सदस्य पद के तेरह पद है। जिनमे तीन पद के लिए ग्राम पंचायत सदस्य निर्वाचित हो गए हैं। लेकिन दस वार्ड मेंबर के लिए अब पांचवी बार चुनाव संपन्न होने जा रहा है। ग्राम पंचायत सदस्य निर्वाचित होने के बाद सदस्य पद की शपथ ग्रहण न करने से ग्राम पंचायत का कोरम पूरा नहीं हो पा रहा है। वही उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्देशन पर जिला अधिकारी द्वारा गठित समित के द्वारा ग्राम पंचायत का संचालन किया जा रहा है। ग्राम पंचायत सदस्य पद के लिए अब पांचवी बार नामांकन व चुनाव संपन्न कराए जाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वही क्षेत्र पंचायत सदस्य पद के एक मात्र पद के लिए अभी तक एक भी नामांकन पत्र बिक्री नहीं हुई है।

पिकअप ने रोडवेज बस को मारा टक्कर, बाल-बाल बचे सभी लोग

अमन लेखनी समाचार

डाला सोनभद्र। स्थानीय चोपन थाना क्षेत्र के अंतर्गत पारस अपनी स्थिति डिवाइडर कटिंग के पास पाल ढाबा जाने हेतु रोडवेज बस को घुमा रहा था उसी समय रोडवेज बस के पीछे से तेज रफ्तार से आ रही पिकअप अनियंत्रित होकर जोरदार टक्कर मार दिया प्राप्त जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को लगभग 11:20 बजे के राबर्ट्सगंज के तरफ से आ रही रोडवेज बस संख्या यूपी 64 एस टी 1744 विंध्य नगर डिपो चोपन थाना क्षेत्र के अंतर्गत परास पानी डिवाइडर कटिंग के पास पाल ढाबा को जाने हेतु मोड़ने लगा जिस दौरान पीछे से आ रही थी पिकअप संख्या वस्त्र 64 अ ळ 9194 चालक अजय कुमार पुत्र महेंद्र प्रसाद निवासी ग्राम बहेरवा पोस्ट बहुवरा राबर्ट्सगंज सोनभद्र तेज रफ्तार से आ रहा अनियंत्रित होकर बस में जोरदार टक्कर मार दिया मौका देखकर सब चालक घटना स्थल से अपने गंतव्य हेतु निकल गया।

सम्पूर्ण समाधान दिवस अब 22 जुलाई को होगी आयोजित

अमन लेखनी समाचार

अमेठी। शासन के निर्देश के क्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अर्पित गुप्ता ने बताया है कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन के शासनादेश द्वारा वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत 20 जुलाई (माह का तृतीय शनिवार) को एक ही दिवस में 36.50 करोड़ पौधारोपण किये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, इस हेतु जनप्रतिनिधियों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों की भागीदारी भी सुनिश्चित की गयी है। उक्त के दृष्टिगत माह जुलाई के तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाला सम्पूर्ण समाधान दिवस माह जुलाई, 2024 के तृतीय शनिवार 20 जुलाई के स्थान पर 22 जुलाई (सोमवार) को आयोजित किया जायेगा।

घर से झगड़कर पशु व्यापारी के पुत्र ने खाया जहर, हुई मौत

पड़ोस के गांव पलरा में तड़पता मिला था युवक

अमन लेखनी समाचार

भरुआ, सुमेरपुर। घर में विवाद करने के बाद पशु व्यापारी के पुत्र ने पड़ोस के गांव पहुंचकर जहरीला पदार्थ खा लिया। सूचना मिलने में पहुंचे परिजनों ने उसे इलाज के लिए कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर युवक को सदर अस्पताल रेफर किया गया। सदर अस्पताल में उसकी मौत हो गई। इससे परिवार में कोहराम मच गया है।

बिदोखर मेंदनी निवासी सुभानी खान पेशे से पशु व्यापारी है। इसका पुत्र सलमान किसी बात को लेकर सुबह घर से झगड़ कर आत्महत्या की धमकी देकर घर से भाग गया। परिजन इसकी खोजबीन करते रहे लेकिन पता नहीं चला। घर से यह पड़ोस के गांव पलरा पहुंचा और जहरीला पदार्थ खाकर गांव के कुछ युवकों को फोन करके जानकारी दी। सूचना पाकर परिजन पलरा पहुंचे और तड़प रहे सलमान को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आए हालत गंभीर होने पर इसको सदर अस्पताल रेफर किया गया। सदर अस्पताल में इसकी मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवाया है। शनिवार को इसका पोस्टमार्टम होगा।

साले से झगड़ कर बहनोई फंदे में झूला, हुई मौत

बेटी के जेवरात चोरी के बाद बढ़ा विवाद

अमन लेखनी समाचार

हमीरपुर। क्षेत्रीय ग्राम बड़ागांव में साले से झगड़कर बहनोई ने गांव के बाहर बबूल के पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया है।

बांदा जनपद के खपटिहा गांव निवासी सुरेश निषाद 55 वर्ष अपनी ससुराल बड़ागांव में पत्नी छमकी के साथ रहता था। चर्चा है कि विगत दिनों ससुराल से मायके आई सुरेश की पुत्री गीता के जेवरात एवं नगदी चोरी हो गए थे। इसकी सूचना सुरेश ने कोतवाली पुलिस को दी थी। इसके बाद पुत्री का जेवर घर पर ही पड़ा मिल गया। लेकिन कुछ जेवर एवं नगदी गायब थी। तब सुरेश ने अपने साले पाथादीन पर चोरी करने का आशंका जताई थी। इस पर पाथादीन ने अपने बहनोई सुरेश पर ही कर्ज चुकाने के लिए चोरी करने का आरोप लगा दिया था। इसी बात को लेकर गुरुवार की रात दोनों में विवाद हुआ। पुत्री के जेवरात चोरी करने के आरोप से आहत होकर बहनोई ने गांव के बाहर बबूल के पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक मेहनत मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। मृतक अपने पीछे पत्नी छमकी, दो बेटों व बेटी को रोता बिलखता छोड़ गया है।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट- बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ- 226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक – श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक – रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

रोचक

शिखर चंद जैन

बच्चों, तुमने टीवी में या रियल पपेट शो देखा होगा। पपेट यानी कठपुतलियों के जरिए मनोरंजन की यह कला देश-विदेश में सदियों से प्रचलित है। कहीं लकड़ी से, कहीं फैब्रिक से, कहीं पानी पर उछलते-कूदते तो कहीं शैडो पपेट्स के खेल देखने में बहुत मजा आता है। यहां हम तुम्हें दुनिया के कई देशों में पॉपुलर पपेट्स के बारे में बता रहे हैं।

रंग-बिरंगी प्यारी-प्यारी खेल दिखाती कठपुतलियां

बच्चों, आज के समय में तुम्हारे पास एंटरटेनमेंट और टाइम-पास के लिए कई साधन उपलब्ध हैं, जैसे-वीडियो गेम्स, मूवीज, टीवी शोज, म्यूजिक आदि। लेकिन बहुत पुराने दौर से आज तक भारत समेत दुनिया के कई देशों में मनोरंजन के लिए पपेट्स यानी कठपुतलियों का खेल भी दिखाया जाता रहा है। इन पपेट्स के हाव-भाव देखने का मजा ही कुछ अलग होता है। कठपुतलियां कई तरह की होती हैं। इन्हें काठ यानी लकड़ी के अलावा अलग-अलग देशों में कपड़े, मिट्टी, चमड़े जैसे कई तरह के मैटीरियल से बनाया जाता है।

जापान की बनराकू पपेट

जापान की बनराकू पपेट

जापान को दुनिया के सबसे एडवांस्ड और विकसित देशों में गिना जाता है। हालांकि यहां इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों और मॉडर्न तकनीक से हजारों तरह के गेम्स खूब बनते और बिकते हैं। लेकिन इनके साथ ही यहां के पपेट्स 'बनराकू' को लोग बहुत पसंद करते हैं। इन पपेट्स को काठ (वुड) से बनाया जाता है। ये पपेट्स, छोटे और बड़े कई आकारों में बनाए जाते हैं। जापानी फोक म्यूजिक के साथ जब बनराकू पपेट्स को परफॉर्म कराया जाता है तो देखने वाले 'वाह-वाह!' कर उठते हैं।

वियतनाम की वाटर-पपेट

वियतनाम में पपेट्स का खेल एक हजार साल से भी अधिक पुराना माना जाता है। यहां पपेट्स आर्ट को 'मुआ रोई नॉक' कहते हैं, जिसका मतलब है-पानी पर डांस करने वाली पपेट्स। इन पपेट्स को नचाने वाले आर्टिस्ट्स कमर तक पानी भरे तालाब में खड़े होकर इनका तमाशा दिखाते हैं। यहां इन पपेट्स के शानदार शो आयोजित किए जाते हैं। इन्हें स्थानीय लोग और पर्यटक बड़े चाव से देखते हैं।

वियतनाम में खूब पॉपुलर हैं वाटर-पपेट्स

कैसे परफॉर्म करते हैं पपेट्स

बच्चों, पपेट (कठपुतली) अलग-अलग मैटीरियल से बनी एक तरह की डॉल जैसी होती है, जिनमें कुछ स्ट्रिंग्स यानी डोरी बंधी होती हैं। पपेट-आर्टिस्ट इन स्ट्रिंग्स की मदद से पपेट को ऊपर-नीचे और अलग-अलग डायरेक्शन में कुछ इस तरह मूव कराते हैं कि ऐसा लगता है, मानो पपेट खुद चल-फिर रहे हों या डांस कर रहे हों।

चीन की शैडो-पपेट

चीन देश में पपेट्स की परंपरा सदियों पुरानी है। यहां कई स्थानों पर बच्चों को हिस्ट्री और कल्चर पढ़ाने के लिए भी पपेट शोज का आयोजन किया जाता है। खासतौर पर यहां के गांवों में अब भी मनोरंजन का एक प्रमुख साधन, पपेट शो हैं। चीन में डोरी से खींचे जाने वाले पपेट शो के अलावा शैडो-पपेट्स का तमाशा भी काफी पसंद किया जाता है। वास्तव में शैडो-पपेट्स ऐसी आकृतियां होती हैं, जिन पर खास एंगल से रोशनी डालने पर पीछे लगे पर्दे पर उनकी तस्वीर उभर आती है। ये पपेट्स काफी रंग-बिरंगे होते हैं। शो के दौरान इन्हें हैंडल करने वाले कलाकार, डायलॉग्स के बीच-बीच में बांस से बनी सीटी भी बजाते रहते हैं, जिससे दर्शकों में उत्साह और बढ़ जाता है।

अमेरिका के फैब्रिक पपेट्स

इंग्लैंड के कार्निवल पपेट्स

अमेरिका के फैब्रिक पपेट

अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों में सॉफ्ट-स्पंजी फैब्रिक्स से बने पपेट्स खूब पसंद किए जाते हैं। ये पपेट्स कार्टून कैरेक्टर्स जैसे लगते हैं। यहां पपेट्स के कई सुपरहिट टीवी शोज भी टेलिकास्ट किए जा चुके हैं। यहां बच्चों के लिए प्रेरक, शिक्षाप्रद और मनोरंजक कार्यक्रम बनाने के लिए पपेट्स का खूब प्रयोग किया जाता है। अमेरिकी टीवी शो 'सीसेम स्ट्रीट' का नाम तो तुमने जरूर सुना होगा, यह टीवी पर प्रसारित होने वाला एक पपेट-शो था, जिसे हमारे देश में 'गली-गली सिम-सिम' के नाम से दिखाया जाता रहा है।

भारत में तरह-तरह की कठपुतलियां

हमारे देश में भी कठपुतली-कला हजारों साल पुरानी है। हड़प्पा और मोहनजो-दारो की खुदाई में भी कठपुतलियों के अवशेष मिले हैं। भारत में पौराणिक या लोक कथाओं पर आधारित कठपुतलियों का प्रचलन अधिक है। भारत के विभिन्न प्रांतों में अलग-अलग रंग-रूप और आकार की कठपुतलियां प्रचलित हैं। जैसे राजस्थान, ओड़ीशा, कर्नाटक और तमिलनाडु में धागा पुतली के खेल खूब दिखाए जाते हैं। राजस्थान में इन्हें कठपुतली,ओड़ीशा में कुनढेई, कर्नाटक में गोंबयेट्टा, तमिलनाडु में बोंमालट्टा कहते हैं। कई क्षेत्रों में छाया कठपुतलियों का भी प्रचलन है। छड़ पुतलियों के खेल बंगाल में पुतुलनाच और बिहार में यमपुरी के नाम से जाना जाता है। कुछ स्थानों पर दस्ताना पुतली भी खूब मनोरंजन करती हैं, इन्हें हथेली में दस्तानों की तरह पहनकर नचाया जाता है।

इंग्लैंड के कार्निवल पपेट्स

इंग्लैंड में इतने विशाल पपेट्स बनाए जाते हैं कि इन्हें उठाने और चलाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल करना पड़ता है। यहां लिवरपूल में आयोजित होने वाला पपेट-शो 'लिवरपूल जायंट्स परेड' दुनिया भर में प्रसिद्ध है। इस परेड में करीब तीन मंजिला इमारत जितनी ऊंचाई वाले पपेट्स शामिल किए जाते हैं। इन पपेट्स को 'कार्निवल पपेट्स' के नाम से जाना जाता है।

इंडोनेशिया के पपेट शोज में रामकथा

रामायण और रामकथा हमारे देश के साथ-साथ दुनिया के कई देशों में प्रचलित है। इंडोनेशिया में अलग-अलग स्थानों पर रामकथा का प्रदर्शन पपेट्स के माध्यम से किया जाता है। यहां भी चीन की तरह शैडो पपेट्स अधिक प्रचलित हैं। *

जीके क्विज-113

1. इंडियन क्रिकेट टीम का नया हेड कोच किस पूर्व क्रिकेटर को बनाया गया है?
2. पिछले ओलंपिक (टोक्यो-2021) खेलों में भारत ने कुल कितने पदक जीते थे?
3. वह कौन-सा जीवाणु (बैक्टीरिया) है, जो दूध से दही जमाने में मदद करता है?
4. हाल में ही ईरान के नए राष्ट्रपति कौन बने हैं?
5. भारत के वर्तमान गृह मंत्री का क्या नाम है?
6. स्वतंत्र भारत के प्रथम रेल मंत्री कौन थे?
7. टेलीस्कोप (दूरबीन) की खोज किसने की थी?
8. पंकज आडवाणी का संबंध किस खेल से है?
9. एक फुटबॉल टीम में कितने खिलाड़ी होते हैं?
10. विक्टोरिया मेमोरियल भारत के किस शहर में स्थित है?

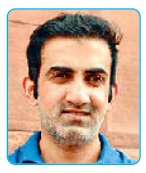

बच्चों, जीके क्विज-113 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-112 का उत्तर : 1. अनामिका बी. राजीव, 2. मुंशी प्रेमचंद, 3. मुंबई, 4. गिरिब्रज, 5. मधुमेह (डायबिटीज), 6. अमेजन वर्षा वन, 7. मध्य प्रदेश, 8. कर्नाटक, 9. महाराणा प्रताप और अकबर, 10. ईटानगर

जीके क्विज-112 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, नारायण-मनकी लोरमी, विशु-मनकी लोरमी, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, मानवी मधुकर-बिलासपुर, शुभम-बिलासपुर, पृथ्वी-बिलासपुर, रितेश-मटियारी

हंसगुल्ले

टीचर (तेज आवाज में) : तो.. हमें अपने सपने पूरे करने के लिए क्या करना चाहिए?
राजू (जम्हाई लेते हुए) : फिर से सो जाना चाहिए।

-तनुजा, जबलपुर

नव्या : बताओ, दूध उफनकर बाहर क्यों गिर जाता है?
नैंसी : दूध उबालते समय व्हाट्स एप्प पर चैट करने की वजह से।

-खुशबू, रायपुर

मम्मी : एग्जाम कैसा हुआ बेटा?
मोनू : मम्मी, एग्जाम में ऐसे सवाल आए थे, जो मैंने कभी पढ़े ही नहीं थे।
मम्मी : तो फिर तुमने क्या किया?
मोनू : मैं भी ऐसे जवाब लिखकर आया हूं, जो टीचर जी ने कभी पढ़े नहीं होंगे।

-हर्षिता, बिलासपुर

चुन्नू : गाय पूंछ क्यों हिलाती है?
मुन्नू : क्योंकि पूंछ में इतनी ताकत नहीं होती कि वो गाय को हिला सके।

-आदित्य, बलौदा बाजार

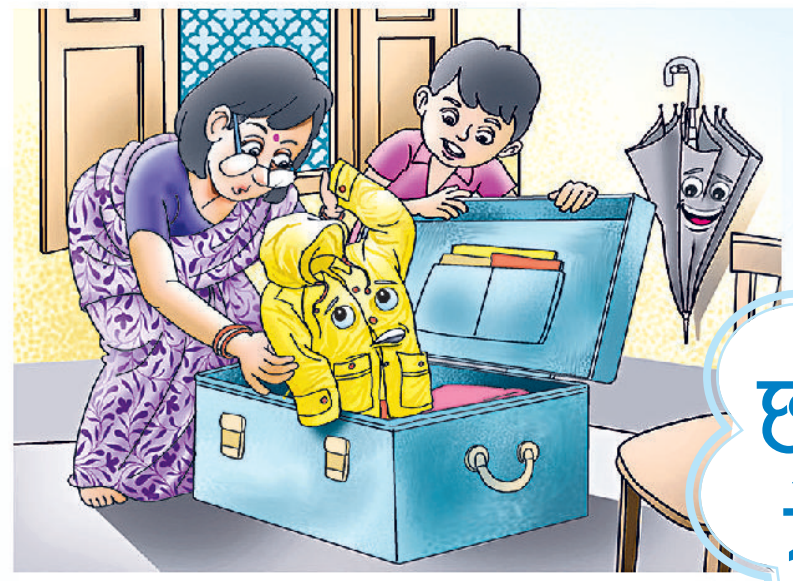

ट्रंक में बंद रंग-बिरंगी रेनकोट को काली-कलूटी छतरी से चिढ़ थी। वह उसे नीचा दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ती थी। बरसात से पहले जब छतरी और रेनकोट को ट्रंक से बाहर निकाला गया तो ऐसा क्या हुआ कि रेनकोट को अपनी खूबसूरती पर शर्मिंदगी महसूस होने लगी?

छतरी और रेनकोट

कहानी

अशोक जोशी

उस रोज संडे था। मोनू अपने पापा और मम्मी के साथ घर में ही था। शाम को वे सभी कहीं बाहर घूमने जाने की प्लानिंग कर रहे थे कि तभी अचानक तेज बारिश शुरू हो गई। पापा ने मम्मी से कहा, 'देखो, अचानक कितनी तेज बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग ने भी भविष्यवाणी की है कि पूरे सप्ताह तेज बारिश की संभावना है। वो जो ट्रंक में मेरी छतरी और मोनू की रेनकोट रखी है, उसे निकाल लो।'

'ठीक है, निकाल लेते हैं।' मम्मी बोलीं।

मोनू के पापा-मम्मी की बातें जब ट्रंक में रखी छतरी और रेनकोट को सुनाई दीं तो वे यह सोचकर बहुत खुश हुए कि कई महीनों तक ट्रंक में पड़े रहने के बाद अब उन्हें ताजा हवा खाने को मिलेगी और बारिश की ठंडी-ठंडी बूंदों का स्पर्श मिलेगा। छतरी ने रेनकोट से कहा, 'देखो बहन, अब हमारे काम आने का समय आ गया है, तैयार हो जाओ।' रेनकोट की सोच कुछ अलग ही थी। उसे अपने रंग-रूप पर बड़ा अभिमान था। छतरी से उसकी बिल्कुल भी नहीं जमती थी। वह हमेशा छतरी को नीचा दिखाने का बहाना ढूंढ़ती रहती थी, उसे ओल्ड-फैशंड बताती और हमेशा उसके रंग-रूप का मजाक उड़ाती थी। वह कहती थी, 'हुंह.. कहां मैं और कहां तुम! तुम तो बिल्कुल ओल्ड-फैशंड हो। तुम अपना रंग-रूप देखो और जरा मेरी तरफ देखो, मैं कितनी मॉडर्न और रंग-बिरंगी हूं। मुझे देखकर बच्चे चहक उठते हैं। वैसे भी आज के मॉडर्न जमाने में छतरी कौन यूज करता है? देखो, मोनू के पापा ने मुझे किस तरह सहेज कर कवर के अंदर रखा है, तुम्हें ट्रंक के एक कोने में पटक दिया है। याद करो, मोनू के पापा ने जब तुझे खरीदा था, तब वो मोनू को भी छतरी ही दिलवा रहे थे। लेकिन मोनू ने अपने पापा से जिद करके अपने लिए रेनकोट खरीदवाया था।'

'बहन, ऐसा क्यों कहती हो? मैं भी तो वही काम करती हूं, जो तुम करती हो। हम दोनों ही लोगों को बारिश में भीगने से बचाते हैं। बस रंग-रूप और आकार-प्रकार में अंतर है।' छतरी विनम्रता से बोली।

तभी उन्हें कदमों की आहट अपनी तरफ आती सुनाई दी। चरमराहट की आवाज के साथ ट्रंक खुल गया। मम्मी ने पहले कोने में रखी छतरी को उठाया। उसे उलट-पुलट कर देखा। उस पर थोड़ी धूल जमी थी। उन्होंने दो-तीन बार उसे खोला और बंद किया। उसकी ताड़ियां भी अच्छी तरह से काम कर रही थीं। 'शुक्र है, यह अभी अच्छी है। कम से कम एक-दो सीजन तो निकाल ही देगी।' मम्मी बुदबुदाते हुए बोलीं, फिर उन्होंने छतरी को साफ कर दीवार में लगी कील पर टांग दिया।

मम्मी की बातें सुनकर छतरी को अपनी उपयोगिता पर संतोष हुआ। इसके बाद मम्मी ने जैसे ही रेनकोट की तरफ हाथ बढ़ाया, रेनकोट की बांछें खिल उठीं। उसने सोचा कि मम्मी अब उसकी खूब तारीफें करेंगी, उसे प्यार से सहेज कर अलमारी में रखेंगी ताकि बारिश में जरूरत पड़ने पर उसे निकाल सकें। मम्मी ने कवर से निकालकर जैसे ही रेनकोट को खोला तो उनका मूड-ऑफ हो गया। जिस-जिस जगह से रेनकोट को मोड़कर रखा गया था, वहां सिलवटें पड़ गई थीं और जब उन्होंने उसे झटकारा तो सिलवटों वाली जगह से रेनकोट फट गई।

'पिछले साल ही तो खरीदी थी। सोचा था दो-चार सीजन निकाल देगी। लेकिन यह तो बस दिखने में ही अच्छी थी। कोई खास काम ना आ सकी। इससे अच्छी तो छतरी है, जो सालों तक बरसात के अलावा गर्मी में भी काम आती है...।' बुदबुदाते हुए मम्मी ने रेनकोट को डस्टबिन में डाल दिया। अगले दिन उसे नगर निगम की कचरा इकट्ठा करने वाली गाड़ी में डाल दिया गया। गाड़ी वाले ने अन्य कचरे के साथ उसे डाल दिया। रेनकोट अपनी किस्मत पर आंसू बहा रही थी। वह मन ही मन सोच रही थी, 'मेरा रंग-रूप भला किस काम आया? मुझसे अच्छी तो वह छतरी है, जो अभी तक घर में लोगों के काम आ रही है।' रेनकोट को समझ आ चुका था कि रंग-रूप से ज्यादा महत्वपूर्ण हमारा गुण होता है। इसलिए कभी भी किसी का रंग-रूप देखकर उसका मजाक नहीं उड़ाना चाहिए, बल्कि उसके अच्छे गुणों की कद्र करनी चाहिए। *

कविता

डॉ. फहीम अहमद

बरस घटा घनघोर

ओ घटा, बरस, घनघोर बरस,
इस ओर बरस, उस ओर बरस।
हम झूम-झूम कर नाच उठें,
अब झूम उठे मन-मोर, बरस।
लहलहा उठे बगिया मेरी,
तू जोर बरस, पुरजोर बरस।
सब ताल-तलैया भर जाएं,
मेढक करते हैं शोर, बरस।
रिमझिम का गीत सुना फिर से,
तू बन जा अब चितचोर, बरस।
कोई भी जगह न छूटे अब,
तू गांव-शहर हर छोर, बरस।
धरती की सारी प्यास बुझाए
झमझम-झमझम झकझोर, बरस।
जब तक सब खुश न हो जाएं
बूंदें न पड़ें कमजोर, बरस।
हम सब खेलेंगे छपछैया,
ओ घटा जरा तू, और बरस।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। इनमें 5 अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर खोजो।

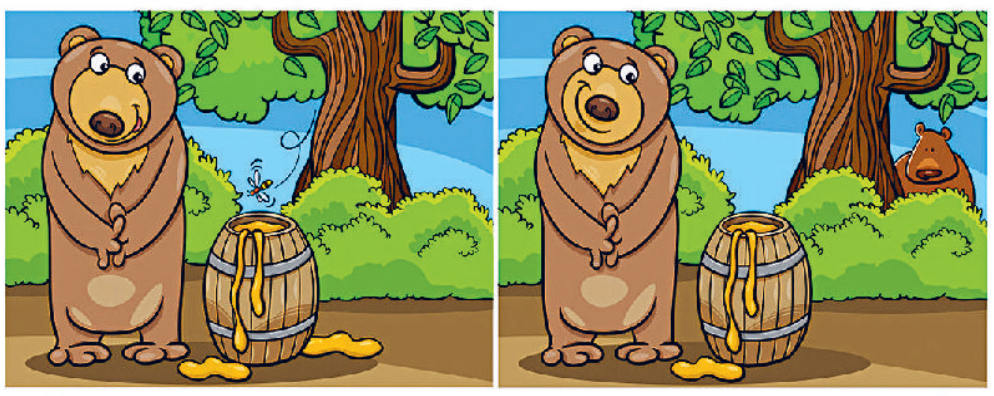

उत्तर: 1.भालू के मुंह की मुद्रा बदली हुई है। 2. शहद-पीपे के ऊपर मंडराती मधुमक्खी गायब है। 3.भालू के पीछे पेड़ पर अतिरिक्त पत्तियां लगी हैं। 4.झाड़ियों के पीछे एक और भालू दिख रहा है। 5.शहद-पीपे के पीछे शहद नहीं गिरा है।

चित्र पूरा करो

बच्चों, यहां कुछ अधूरे ज्योमेट्रिकल शेप्स और उनके कट-आउट्स के चित्र दिए गए हैं। इन कट-आउट्स को सही जगह लगाकर इन चित्रों को पूरा करो।

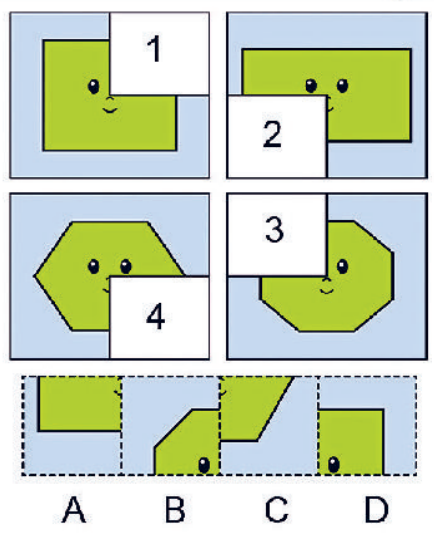

उत्तर : 1-D, 2-A, 3-B, 4-C

गिनकर बताओ

बच्चों, इस चित्र में बहुत सारे बच्चे दिखाई दे रहे हैं। तुम गिनकर बताओ कि इस चित्र में कुल कितने बच्चे दिखाई दे रहे हैं?

उत्तर-12